संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 281
पृष्ठ 8
बुधवार
01 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चे की दूध की बोतल... | विचार- 2027 यूपी विधानसभा क्या 2024... | खेल- लक्ष्य और उज्ज्वल ने कैसे बदली...

मुख्यमंत्री योगी का सपा पर हमला,बोले-

# गलत हाथों में पड़ा चाकू तो डकैती डाली, जमीनों पर किए कब्जे, अब विकास बन रहा हथियार

रामपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को रामपुर में करीब 690 करोड़ रुपये की लागत वाली 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। शाहबाद में आयोजित जनसभा में उन्होंने विकास कार्यों का ब्योरा देने के साथ समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। योगी ने आरोप लगाया कि पहले रामपुर के पारंपरिक उद्योगों को बर्बाद किया गया और चाकू जैसे प्रसिद्ध उत्पाद का इस्तेमाल जमीनों पर कब्जे और लोगों को प्रताड़ित करने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में यही चाकू अब हुनर, रोजगार और सुरक्षा का प्रतीक बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी वह रामपुर आते हैं तो विकास की नई योजनाएं साथ लेकर आते हैं। उन्होंने बताया कि 102 परियोजनाओं से मिलक और बिलासपुर विधानसभा क्षेत्रों में

सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले रामपुर के पैचवर्क, जरी–बूटा और वायलिन जैसे पारंपरिक उद्योग संकट में थे। प्रदेश सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट–वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के जरिए इन उद्योगों को नया बाजार और नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि अब रामपुर के कारीगरों और उद्यमियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, ष्चाकू अगर गलत व्यक्ति के हाथ में पड़ जाए तो वह उससे डकैती डालेगा। समाजवादी पार्टी ने रामपुर के चाकू का दुरुपयोग किया, जमीनों पर कब्जे किए, लोगों को प्रताड़ित किया और उनका शोषण किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद कानून का राज स्थापित हुआ और रामपुर की पहचान अब उद्योग, सुरक्षा और विकास से जुड़ रही है। योगी ने कहा कि मजबूत सड़कें, पुल और एक्सप्रेसवे केवल वाहनों की गति नहीं बढ़ाते बल्कि अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार देते हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर–शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर रामपुर से होकर गुजरेगा, जिससे व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार रेलवे फ्लाईओवर, फोरलेन सड़कें और अन्य आधारभूत परियोजनाओं पर तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की प्रत्येक तहसील में फायर स्टेशन स्थापित करने की योजना पर काम चल रहा है। जहां आवश्यकता है वहां नए डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक और आईटीआई खोले जा रहे हैं। पुराने विद्यालयों को प्रोजेक्ट अलंकार और ऑपरेशन कायाकल्प के तहत आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार बिना किसी भेदभाव के गरीबों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। हर महीने मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है और ई–पॉस मशीनों से पूरे वितरण तंत्र की निगरानी की जा रही है। उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन मिले हैं और आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है। जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उनके इलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होगा और बहन–बेटियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान के खिलाफ अपराध करने वालों को कानून सख्त सजा देगा।

राजनाथ सिंह बोले-

# मजबूत अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षमता से बनेगा विकसित भारत

अहमदाबाद,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि वाइब्रेंट गुजरात प्लेटफॉर्म एक देशव्यापी आंदोलन बन गया है जो विकसित भारत के विजन में योगदान दे रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मजबूत अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा मिलकर एक मजबूत राष्ट्र की नींव बनाते हैं। वडोदरा में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि यह पहल नए विचारों और अवसरों के जरिए गुजरात को आगे बढ़ने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा यह नए विचारों और नई संभावनाओं के जरिए गुजरात को आगे ले जाने की कोशिश है। मैंने यहाँ लगी प्रदर्शनी भी देखी। इसमें इंडस्ट्री, MSME, आदिवासी उत्पादों और भारी उद्योगों सहित कई क्षेत्रों की भागीदारी है। रक्षा उद्योग में हो रहा काम भी तारीफ के काबिल है। आप हमें प्राइवेट इंडस्ट्री के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

देश के लिए गुजरात के योगदान की तारीफ करते हुए सिंह ने कहा कि राज्य ने महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे कई महान नेता दिए हैं। उन्होंने कहा गुजरात ने देश को महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल दिए, और इसी धरती ने भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दिए। जब घ्से वे प्रधानमंत्री बने हैं, वैश्विक मंच पर भारत का सम्मान बढ़ा है। आज जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है, तो दुनिया ध्यान से सुनती है। इसका श्रेय नरेंद्र मोदी को जाता है, जिनका जन्म एक गुजराती माँ की कोख से हुआ था। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2003 में गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए वाइब्रेंट गुजरात पहल शुरू की थी, जो पिछले दो दशकों में एक बड़े आंदोलन में बदल गई है। समय और कैलेंडर उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात मंच गुजरात के लोगों और उद्योगों की जीवंतता को दर्शाता है। इसकी शुरुआत 2003 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। आज यह विकसित भारत के विजन से जुड़ा एक व्यापक आंदोलन बन गया है। पिछले दो दशकों में इसने गुजरात में अभूतपूर्व बदलाव लाए हैं और आज गुजरात भारत का विकास इंजन बन गया है।

## सरकार का बड़ा फैसला, जीएसटीएटी अपील की डेडलाइन 31 जुलाई तक बढ़ी

नयी दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार को एक महीने बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी। जीएसटीएटी की शुरुआत पिछले वर्ष सितंबर में हुई थी। इसके बाद सरकार ने जीएसटीएटी में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2026 तय की थी। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दाखिल

करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी है। मंत्रालय ने बताया कि विभिन्न हितधारकों के अनुरोधों के बाद यह निर्णय लिया गया। इन अनुरोधों में कहा गया था कि जीएसटीएटी मंच पर अत्यधिक दबाव के कारण अपील दाखिल करने में तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मंत्रालय ने करदाताओं को सलाह दी कि वे अंतिम समय तक इंतजार न करें और समय रहते अपनी अपील दाखिल कर दें। सरकार अब तक जीएसटीएटी की 31 राज्य पीठों और दिल्ली स्थित एक प्रधान पीठ को अधिसूचित कर चुकी है। फिलहाल अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष 4.80 लाख से अधिक मामले लंबित हैं और इन सभी के जीएसटीएटी में आने की उम्मीद है। सरकार ने मई 2024 में न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा को जीएसटीएटी की प्रधान पीठ का अध्यक्ष नियुक्त किया था। एक जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद करदाताओं और जीएसटी विभाग के बीच सभी विवादों का निपटारा उच्च न्यायालयों या उच्चतम न्यायालय में होता था, जिससे मामलों के समाधान में देरी होती थी। सितंबर 2025 में जीएसटीएटी का संचालन शुरू होने के बाद विवादों के निपटारे की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद बनी है।

## राजधानी में तपती धूप से बेहाल हुए लोग, भीषण गर्मी के बीच बढ़ी बिजली की मांग, टूटे सारे रिकॉर्ड

नयी दिल्ली,एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच दिल्ली में बिजली की मांग अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 8,748 मेगावाट पर पहुंच गई। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले बिजली की सर्वाधिक मांग 19 जून, 2024 को 8,656 मेगावाट दर्ज की गई थी। दिल्ली के

बिजली मंत्री आशीष सूद ने कहा, आज दिल्ली ने 8,748 मेगावाट की अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग को सफलतापूर्वक पूरा कर इतिहास रच दिया और पिछले सभी रिकॉर्ड को लगभग 100 मेगावाट से तोड़ दिया। सूद ने कहा कि वितरण नेटवर्क पर अभूतपूर्व भार के बावजूद कोई बड़ी खराबी या ढांचागत विफलता नहीं हुई, जिसका श्रेय दिल्ली सरकार के सक्रिय विद्युत मास्टर प्लान के सुचारू क्रियान्वयन को जाता है। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के एक प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी ने 2,497 मेगावाट की अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह मांग अपराह्न 3:15 बजे से 3:30 बजे के बीच दर्ज की गई और कंपनी ने अपने वितरण नेटवर्क में बिना रुकावट बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की।

# रेखा गुप्ता बोलीं, दिल्ली में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत करेगी

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपना गणना प्रपत्र भरा और लोगों से लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए इस प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया। अधिकारियों ने बताया कि एक महीने तक चलने वाले एसआईआर अभियान के दौरान 13,000 से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी राजधानी के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को गणना प्रपत्र बांटेंगे। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने अपने और अपने परिवार के सदस्यों का विवरण भरकर गणना फॉर्म जमा कर दिया है। गुप्ता ने मतदाताओं से इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की भी अपील करते हुए कहा कि इससे लोकतंत्र और मजबूत होगा। उन्होंने कहा,

अपना गणना प्रपत्र समय पर भरें और अपने बीएलओ को जमा करें। एक सटीक और अद्यतन मतदाता सूची ही मजबूत लोकतंत्र की नींव है। आइए, जागरूक नागरिक होने का अपना कर्तव्य निभाएं और लोकतंत्र के इस महान यज्ञ में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।अधिकारियों ने बताया कि बीएलओ को निर्देश दिया गया है कि वे सुबह जल्दी और शाम के समय, जब लोग घर पर मौजूद हों, घर–घर जाकर सत्यापन करें। इसके लिए शनिवार और रविवार को भी अभियान चलाया जाएगा। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार, एक महीने तक चलने वाले घर–घर मतदाता सत्यापन अभियान के लिए 13,000 से अधिक बीएलओ तैनात किए गए हैं। यह अभियान 29 जुलाई को समाप्त होगा। दिल्ली में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल भी अपने बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) के माध्यम से इस घर–घर सर्वेक्षण में भाग ले रहे हैं, ताकि लोगों को प्रपत्र भरने और जमा कराने में सहायता मिल सके। राष्ट्रीय राजधानी में सात लोकसभा क्षेत्रों और 70 विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत 13,033 मतदान केंद्र हैं।एसआईआर के दौरान बीएलओ प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र की दो प्रतियां देंगे, जिन्हें 2002 में हुए पिछले एसआईआर के आधार पर अपनी जानकारी भरनी होगी। इनमें से एक प्रति रसीद पावती के रूप में मतदाता के पास रहेगी, जबकि दूसरी प्रति बीएलओ को वापस करनी होगी। गणना प्रपत्र के साथ कोई दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं है।

हर मतदाता को यह गणना प्रपत्र भरना होगा ताकि सात अक्टूबर को जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची में उनके नाम शामिल हो सकें।

# एकनाथ शिंदे ने किया साफ- हम तोड़ते नहीं जोड़ते हैं

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को उद्धव गुट पर निशाना साधा। यह तब हुआ जब सीनियर MLC सचिन अहीर उनकी शिवसेना में शामिल हो गए और महायुति गठबंधन की ओर से महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल किया। अहीर का पार्टी में स्वागत करते हुए शिंदे ने उनके इस राजनीतिक कदम की तुलना क्रिकेट के मैदान पर खेले गए मास्टरस्ट्रोक से की। शिंदे ने कहा कि आज सचिन अहीर ने बिल्कुल सचिन तेंदुलकर की तरह शॉट खेला है। वह एक अहम नेता हैं। आज उन्होंने डिप्टी चेयरमैन

पद के लिए नामांकन पत्र और महायुति का फॉर्म, दोनों भरे हैं। शिंदे ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी दल–बदल के सहारे टिकी है। इसके बजाय, उन्होंने शिवसेना को एक बढ़ती हुई राजनीतिक ताकत के तौर पर पेश किया। उन्होंने कहा कि हम लोगों को तोड़ते नहीं, बल्कि उन्हें साथ लाते हैं। अपने खेमे में लगातार शामिल हो रहे नेताओं का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा कि इस बदलाव के कारण साफ हैं। उन्होंने कहा, "लोग शिवसेना में क्यों आ रहे हैं? उन्होंने खुद ही इस सवाल का जवाब दिया है। शिंदे ने इस मौके पर 2022 की घटनाओं को भी याद किया और बताया कि 30 जून को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर उनके शपथ लेने की सालगिरह है। उन्होंने कहा कि 2022 में लिए गए फैसले से एक स्थिर सरकार बनी।

## पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने पर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रखा पक्ष

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया, जिसमें वर्ष 2025–26 के इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) के लिए आवंटन बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया है कि हाईकोर्ट का आदेश पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20) की राष्ट्रीय नीति को प्रभावित करेगा। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने बीपीसीएल की याचिका पर नोटिस जारी किया। कंपनी ने कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने तेल कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे एक समर्पित इथेनॉल निर्माता द्वारा वर्ष 2025–26 के लिए इथेनॉल आवंटन बढ़ाने संबंधी आवेदन पर विचार कर निर्णय लें। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सरकार की नीति के तहत स्थापित समर्पित इथेनॉल संयंत्र, जो अनुबंध के अनुसार केवल तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को ही इथेनॉल की आपूर्ति करने के लिए बाध्य हैं, उन्हें दीर्घकालिक खरीद समझौते (एलटीओए) के तहत उपलब्ध प्राथमिकता वाले आवंटन के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश, जिसमें ओएमसी को विनप डिस्टिलरीज एंड शुगर्स के एथेनॉल आवंटन में वृद्धि पर विचार करने का निर्देश दिया गया है।

# राजकोषीय संकट से बचने के लिए केरल में आर्थिक ढांचे में तत्काल सुधार जरूरी- सतीशन

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने चेतावनी दी है कि यदि राज्य में बुनियादी आर्थिक सुधार नहीं किये गये तो केरल गंभीर राजकोषीय संकट की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक मॉडल रोजगार सृजन, कल्याणकारी योजनाओं और दीर्घकालिक विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य के कुल राजस्व का 77 प्रतिशत हिस्सा पहले से निर्धारित व्ययों में खर्च हो जाता है, जिससे विकास कार्यों के लिए बहुत कम वित्तीय गुंजाइश बचती है। वहीं पूंजीगत व्यय घटकर मात्र 1.3 प्रतिशत रह गया है, जो देश में सबसे कम स्तरों में से एक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तत्काल सुधारात्मक कदम नहीं उठाये गये तो सरकार की स्थिति ऐसी हो सकती है कि उसके पास केवल ऋण और ब्याज का भुगतान करने भर के संसाधन बचेंगे, जिससे रोजगार सृजन और कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना कठिन हो जायेगा। सतीशन ने कहा कि राज्य में तेजी से बढ़ती वृद्ध आबादी के कारण कल्याणकारी दायित्व बढ़ रहे हैं और इससे सरकारी वित्त पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ता कर्ज, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात में ऋण का बढ़ना तथा वित्तीय लचीलेपन में कमी को देखते हुए संरचनात्मक सुधार अपरिहार्य हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी सुधार का समय है, लेकिन और देरी महंगी साबित हो सकती है। उन्होंने विधानसभा में बजट मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए सोमवार को कहा कि राज्य की बिगड़ती वित्तीय स्थिति से निपटने के लिए पारंपरिक उपायों के बजाय साहसिक नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है।

उन्होंने स्वीकार किया कि मौजूदा बजट पारंपरिक पद्धतियों से अलग है और कहा कि केरल की वित्तीय स्थिति अब अत्यंत गंभीर स्तर पर पहुंच चुकी है। उन्होंने 1930 की महामंदी का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्थिक संकटों से उबरने के लिए नये दृष्टिकोण अपनाने

पड़ते हैं। कीन्स के आर्थिक सिद्धांतों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए बाजार में पर्याप्त धन का प्रवाह आवश्यक है, लेकिन सरकारों के पास अब सीमित वित्तीय संसाधन हैं, इसलिए निवेश आधारित विकास ही आगे का रास्ता है। उन्होंने कहा कि केरल को प्रवासी भारतीयों से मिलने वाली धनराशि पर आधारित अर्थव्यवस्था से निवेश आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना होगा।

## हज-2027 के लिए 20 जुलाई तक करें ऑनलाइन पंजीकरण

प्रयागराज। हज-2027 की यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और हज कमेटी ऑफ इंडिया ने ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदक हज कमेटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट और 'हज सुविधा' मोबाइल एप के माध्यम से 20 जुलाई की रात 11रू59 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कृष्ण मुरारी ने बताया कि जुलाई के अंतिम सप्ताह में डिजिटल रैंडम चयन प्रक्रिया के बाद अस्थायी रूप से चयनित हर हज यात्री को 10 अगस्त तक 1,52,300 रुपये की अग्रिम राशि जमा करनी होगी। निर्धारित समय सीमा में किसी प्रकार की छूट या विस्तार नहीं दिया जाएगा।

## जिले के 20 कोचिंग और डिजिटल लाइब्रेरी में जांची सुरक्षा व्यवस्था

प्रयागराज। शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था परखने के लिए अग्निशमन विभाग ने सोमवार को सघन अभियान चलाकर 20 कोचिंग संस्थानों और डिजिटल लाइब्रेरी की जांच की। जांच के दौरान अधिकांश संस्थानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन अधूरा मिला। कई संस्थानों के पास अग्निशमन विभाग की एनओसी नहीं थी, जबकि कई जगह सुरक्षा व्यवस्था केवल एक-दो फायर सिलेंडर तक सीमित पाई गई। वहीं, अभियान के दौरान अग्निशमन विभाग की टीम ने संस्थानों में मौजूद छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों और अग्निशमन उपकरणों के इस्तेमाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) चंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि जिन संस्थानों में खामियां मिली हैं, उन्हें नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर सभी खामियां दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। तय समय के बाद दोबारा जांच की जाएगी। यदि इसके बावजूद मानकों का पालन नहीं मिला तो संबंधित संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## आरआरबीः रेलवे में तकनीशियन के 6557 पदों पर भर्ती

रेलवे में तकनीशियन बनने की राह देख रहे युवाओं के लिए राहत भरी खबर। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने तकनीशियन के 6,557 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत तकनीशियन ग्रेड-वन (सिग्नल) के 323 और तकनीशियन ग्रेड-थ्री के विभिन्न श्रेणियों के कुल 6,234 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इच्छुक उम्मीदवार 30 जून से 29 जुलाई तक आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती में आरआरबी प्रयागराज के अंतर्गत करीब 200 पद शामिल हैं। इसमें इंजीनियरिंग विभाग में सबसे अधिक 60 से ज्यादा पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा मैकेनिकल, सिग्नल व टेलीकॉम, इलेक्ट्रिकल और स्टोर विभाग में भी नियुक्तियां की जाएंगी। तकनीशियन ग्रेड-वन (सिग्नल) के लिए वेतन स्तर-पांच के तहत प्रारंभिक मूल वेतन 29,200 रुपये तय किया गया है। इसके लिए आयु सीमा 18 से 33 वर्ष निर्धारित है। वहीं, तकनीशियन ग्रेड-थ्री के लिए वेतन स्तर-दो के तहत प्रारंभिक मूल वेतन 19,900 रुपये होगा और उम्मीदवार की उम्र 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आयु की गणना एक जुलाई 2026 को आधार मानकर की जाएगी, जबकि आरक्षित श्रेणियों को नियमानुसार आयु सीमा में विशेष छूट दी जाएगी।

## राहुल गांधी के छात्र संवाद के लिए डेलीगेसियों पर कांग्रेस की नजर

प्रयागराज। बेरोजगारी, भर्तियों में भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर छात्र संवाद के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 19 जुलाई को प्रयागराज आ रहे हैं। उनके कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रहीं हैं और कांग्रेस की नजर डेलीगेसियों पर है, जहां दो लाख से अधिक प्रतियोगी छात्र रहते हैं। अधिक से अधिक छात्रों तक अपनी बात कैसे पहुंचानी है और उन्हें राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कैसे प्रेरित करना है, इसकी जिम्मेदारी एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को दी गई है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को सोमवार को प्रशिक्षण भी दिया गया और उन्हें बताया गया कि विभिन्न मुद्दों छात्रों के सामने अपनी बात कैसे रखनी है।

प्रयागराज में अल्लापुर, बाघाड़ा, सलोरी, मम्फोर्डगंज, बेली, नयापुरवा, तेलियरगंज, गोविंदपुर समेत अन्य डेलीगेसियों में कांग्रेस की ओर से पर्चे भी बांटे जा रहे हैं और युवाओं से छात्र संवाद कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की जा रही है। कांग्रेस ने छात्रों के लिए मिस कॉल नंबर भी जारी किया है, जिसमें छात्र मिस कॉल करके अभियान से सीधे जुड़ सकते हैं। साथ ही अधिक से अधिक छात्रों तक अपनी पहुंचाने के लिए कांग्रेस ने एक वेबसाइट भी बनाई है। पार्टी ने एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन भी तैयार किया गया है। इसके जरिये छात्रों को बताया जा रहा है कि सरकार हर साल भर्ती में कितना पैसा खर्च करती है और पेपर लीक के कारण भर्ती निरस्त होने पर कितना नुकसान होता है। छात्रों को बताया जा रहा है कि पेपर लीक के कारण कितने छात्रों ने हताश होकर खुदकुशी कर ली।

## नए कानून से और सरल होगी टैक्स प्रणाली रू प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त

प्रयागराज। आयकर विभाग ने सोमवार को आयकर भवन में करदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त अपर्णा एम अग्रवाल ने नए आयकर अधिनियम-2025 पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम कर व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाएगा। मुख्य आयकर आयुक्त मीनाक्षी सिंह ने कर संग्रह के आंकड़े प्रस्तुत किए। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रयागराज क्षेत्र ने 940 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 2,038.95 करोड़ रुपये का शुद्ध कर संग्रह किया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 132.10 फीसदी अधिक रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में 206.98 करोड़ रुपये का सकल संग्रह हुआ है। इसी अवधि में 265.30 करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया गया। विभाग ने शिकायतों के निस्तारण और सुधार आवेदनों में उल्लेखनीय प्रगति की है। ई-निवारण मामलों के समाधान में भी सुधार हुआ है। जुलाई माह में लंबित मांगों के निस्तारण के लिए विशेष पखवाड़ा चलाया जाएगा। अपर आयकर आयुक्त सौजन्य रंजन ने आयकर अधिनियम-2025 के प्रमुख प्रावधानों पर प्रस्तुति दी। अपर्णा एम. अग्रवाल ने बताया कि यह नया अधिनियम करदाताओं के लिए अधिक सुगम होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल कानून में बदलाव नहीं है। यह बेहतर और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में एक बड़ा सुधार है। नई आयकर फॉर्म संबंधी जानकारी वाली डिजिटल दीवार भी प्रदर्शित की गई। इसे क्यूआर कोड स्कैन कर डाउनलोड किया जा सकता है। इस अवसर पर अपर्णा एम. अग्रवाल और मीनाक्षी सिंह ने आयकर भवन के पुनरोद्धार कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता, चार्टर्ड अकाउंटेंट और व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

# सहायक आचार्य भर्ती के 33 विषयों में 910 पदों पर होंगे इंटरव्यू, कार्यक्रम जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या-51 के अंतर्गत सहायक आचार्य के 33 विषयों में कुल 910 पदों पर चयन के लिए परीक्षा में सफल घोषित किए गए 3155 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आगामी 21 जुलाई 2026 से लेकर 13 अगस्त 2026 तक विभिन्न तिथियों में आयोजित जुलाई गुरुवार को चित्रकला, संस्कृत एवं उर्दू, 31 जुलाई शुक्रवार को प्राचीन इतिहास, सैन्य विज्ञान एवं संगीत गायन के साक्षात्कार होंगे। सांख्यिकी तथा 13 अगस्त गुरुवार को वाणिज्य एवं गृह विज्ञान विषयों के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थी आज 29 जून 2026 से ही आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www-upessc.up.gov.in पर जाकर अपना साक्षात्कार पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। डाउनलोड करने हेतु महत्वपूर्ण अनुदेश एवं दिशा-निर्देश वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दिए गए हैं। आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उक्त साक्षात्कार उच्च न्यायालय में योजित विशेष अपील संख्या-368/2026 हरविंदर सिंह व अन्य बनाम राज्य व अन्य में पारित आदेश 17 अप्रैल 2026 एवं इसके विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।

साक्षात्कार का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। 3155 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 21 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेंगे।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या-51 के अंतर्गत सहायक आचार्य के 33 विषयों में कुल 910 पदों पर चयन के लिए साक्षात्कार का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। 3155 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 21 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेंगे।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इन पदों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 18 व 19 अप्रैल 2026 को किया गया था, जिसका परिणाम 09 जून 2026 को घोषित किया गया था। लिखित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि

21 जुलाई 2026 मंगलवार को अर्थशास्त्र, 22 जुलाई बुधवार को वनस्पति विज्ञान एवं दर्शनशास्त्र, 23 जुलाई गुरुवार को रसायन विज्ञान, 24 जुलाई शुक्रवार को अंग्रेजी, 28 जुलाई मंगलवार को कृषि अर्थशास्त्र, मानव विज्ञान एवं भूगोल, 29 जुलाई बुधवार को भौतिक विज्ञान एवं मनोविज्ञान, 30

इसी प्रकार 04 अगस्त मंगलवार को शिक्षा शास्त्र एवं इतिहास, 05 अगस्त बुधवार को पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान, संगीत तबला, शारीरिक शिक्षा एवं जंतु विज्ञान, 06 अगस्त गुरुवार को विधि एवं राजनीति विज्ञान, 07 एवं 11 अगस्त को हिंदी और 07 अगस्त को गणित, 12 अगस्त बुधवार को एशियन कल्चर, उद्यान विज्ञान, संगीत सितार, समाजशास्त्र एवं

# तीन साल की मासूम के साथ दुष्कर्म और हत्या के दोषी को फांसी की सजा

प्रयागराज। जिला अदालत ने तीन साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार चौरसिया ने दिया।

जिला अदालत ने तीन साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार चौरसिया ने दिया।

आरोपी गगन कुमार के खिलाफ हंडिया थाने में हत्या और दुष्कर्म के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई थी। घटना 12 जून 2020 की शाम की है। मासूम के पिता ने आरोप लगाया था कि आरोपी गगन कुमार जो कि रिश्ते में भाई लगते हैं उनका लड़का है। मासूम को मिठाई दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। रात नौ बजे घर लौटने पर बच्ची नदारद मिली।

खोजबीन के बाद गगन के घर के पास सेम के पेड़ के नीचे बच्ची बेसुध अवस्था में मिली थी। वह दम तोड़ चुकी थी।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने साक्ष्यों को अपर्याप्त बताते हुए आरोपी को कम से कम सजा देने मांग की। बचाव पक्ष ने अदालत में कोई गवाह पेश नहीं किया।

शासकीय अधिवक्ता विनय कुमार त्रिपाठी ने 13 गवाहों की गवाही, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, डीएनए एवं फोरेंसिक साक्ष्यों को अदालत में पेश किया। शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि यह जघन्यतम अपराध है। आरोपी ने पारिवारिक विश्वास का फायदा उठाकर मासूम के साथ दरिंदगी की और उसकी हत्या कर दी। इसलिए फांसी की सजा दी जानी चाहिए।

अदालत ने मामले को दुर्लभतम की श्रेणी में मानते हुए दुष्कर्म और हत्या दोनों में फांसी की सजा सुनाई। साथ ही 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। साथ ही पीड़िता के परिजनों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से दो लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया। फोरेंसिक और चिकित्सीय साक्ष्य बने आधार। पोस्टमॉर्टम डॉक्टर बीएन गुप्ता सहित 13 गवाहों की गवाही, डीएनए रिपोर्ट और फोरेंसिक साक्ष्य ने अदालत में आरोपी का अपराध सिद्ध किया।

# अवैध कब्जे पर मंत्री ने जताई नाराजगी, पुराने राजस्व मामलों को अभियान चलाकर निपटाने का निर्देश

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों, राजस्व और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में हिदायत दी कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि जमीनों को तुरंत कब्जा मुक्त कराया जाए और यदि कोई दोबारा कब्जा करता है, तो उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई हो।

उन्होंने अवैध मादक पदार्थों की बिक्री और प्रयोग करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मंत्री ने सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा हटाने और दोबारा कब्जा होने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा। अवैध खनन और चौराहों पर अतिक्रमण के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मंत्री ने विद्युत बिल सुधार, जर्जर खंभों को बदलने और समय पर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और आवास योजनाओं के लंबित आवेदन पत्रों को जल्द निपटाने को कहा।

## शंख-घंटों की गूंज के बीच निकली भगवान जगन्नाथ की विश्राम यात्रा

प्रयागराज। ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट की ओर से काशी राज नगर कटघर स्थित प्रयागेश्वर जगन्नाथ मंदिर से भगवान नील माधव जगन्नाथ की भव्य विश्राम यात्रा धूमधाम से निकाली गई। यात्रा से पूर्व ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता एवं मंत्री गगन दास गुप्ता ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 108 मिट्टी के कलशों से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का जलाभिषेक कराया। इसके बाद भगवान को राजसी वस्त्र धारण कराकर रथ पर विराजमान किया गया। गंगाजल, कमल पुष्प, तुलसी, शंख, घंट और घड़ियाल के साथ भव्य महाआरती भी संपन्न हुई।

विश्राम यात्रा का शुभारंभ न्यायमूर्ति गौतम चौधरी, सांसद उज्ज्वल रमण, पूर्व पार्षद विजय वैश्य, जय राम गुप्ता, दाऊ दयाल गुप्ता, गगन दास गुप्ता, राजेश केसरवानी तथा पार्षद सतीश केसरवानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं महाआरती के साथ किया। जय जगन्नाथ के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

रथयात्रा संयोजक राजेश केसरवानी ने बताया कि यात्रा में विजय ध्वज, भगवान गणेश, गरुड़ देव, हनुमान, राधा-कृष्ण, कृष्ण-बलदाऊ की आकर्षक झांकियां, डीजे, बैंड, ढोल-नगाड़े, भांगड़ा दल और रंग-बिरंगी प्रकाश सज्जा मुख्य आकर्षण रहे। यात्रा काशी राज नगर कटघर, सालिकगंज, मुट्ठीगंज, रामभवन, बहादुरगंज, मानसरोवर, मोतीमहल, चमेली बाई धर्मशाला, एस. सी. बसु रोड, अग्रसेन चौराहा होते हुए आर्य भवन जीरो रोड पहुंचकर संपन्न हुई।

इस अवसर पर पूनम गुप्ता, संजय वैश्य, कृष्ण बहादुर केसरवानी, पप्पू कलश, संजय गुप्ता, अतुल खन्ना, त्रिलोकी केसरवानी, हैप्पी कसेरा, अजय अग्रहरि, अभिलाष केसरवानी सहित सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## तेरहवीं में किशोरी फिर बोली, मुख्य आरोपी का हो एनकाउंटर

प्रयागराज। नीबी कुकुरकटवा गांव में तिहरे हत्याकांड के तेरहवें दिन गम और गुस्से में तेरहवीं हुआ। तेरहवीं में किशोरी मामा के घर से अपने घर पहुंची। जहां किशोरी घटना को लेकर फफक-फफक कर रो पड़ी। उसने फिर एक बार कहा कि मुख्य आरोपी हिमांशु यादव का एनकाउंटर किया जाए। साथ ही उसके घर पर बुलडोजर चलाया जाए। उधर, परिजनों ने गुप्ता समाज के लोगों के साथ बैठक कर 2027 के विधानसभा चुनाव में नोटा को वोट करने का निर्णय लिया है। आरोप लगाते हुए कहा कि तिहरे हत्याकांड में किसी दल एवं पार्टी ने उनकी नहीं सुनी।

नीबी कुकुरकटवा गांव में 15 जून की रात में श्यामलाल गुप्ता (65), अमरावती देवी (55) और इंद्रावती देवी (60) की हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि परिवार की एक किशोरी से गांव का हिमांशु यादव जबरन शादी करना चाहता था। शादी में रोड़ा बनने पर आरोपी अपने साथियों संग घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने मामले में चार आरोपी हिमांशु यादव, अंकित यादव, निहाल गौतम और ग्राम प्रधान गुड्डू यादव को जेल भेज दिया था।

पुलिस ने मुठभेड़ में हिमांशु यादव के पैर में गोली भी मारी थी। मृतका अमरावती देवी के दामाद लोकपति गुप्ता ने बताया कि तेरहवीं कार्यक्रम बीत गया, लेकिन आरोपियों के घरों पर बुलडोजर नहीं चला। जबकि आरोपी निहाल गौतम का घर सरकारी जमीन पर बना है, जिससे आरोपियों का मनोबल बढ़ता ही जा रहा है।

## आरोपियों के संभावित ठिकानों पर पुलिस ने दी दबिश

प्रयागराज। आनापुर में पुलिस पर पथराबाजी के फरार आरोपियों के ठिकाने पर पुलिस ने सोमवार को दबिश दी, लेकिन वे पकड़ में नहीं आए। मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद सलीम का बेटा, भतीजा और भाई अभी भी गिरफ्त से दूर हैं। बीते शुक्रवार को मुहर्रम के त्योहार पर ताजिया के रास्ते को लेकर आधी रात करीब लोगों ने पत्थरबाजी की थी। इस दौरान चौकी प्रभारी आनापुर आकाश सचान समेत अन्य चार पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। बवाल के बाद पुलिस ने 21 लोगों के खिलाफ प्राथमिक दर्ज की है। इनमें से मुख्य आरोपी मोहम्मद सलीम सहित 11 आरोपियों को जेल भेजा गया है। पुलिस मुख्य आरोपी के बेटे साहिल, बाबू उर्फ शान, भतीजा अयान और भाई रफीक आदि की धरपकड़ की कार्रवाई तेज दी है। पुलिस का दावा है कि अराजकतत्व फैलाने वाले सलाखों के पीछे होंगे।

## मेजा में सर्पदंश से महिला की गई जान

प्रयागराज। सोनबरसा गांव में रविवार रात एक महिला की सर्प दंश से मौत हो गई। मेजा थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव की रीता देवी (25) अपने घर में सो रही थी। आधी रात के

बाद सांप ने उसके पैर में काट लिया। इससे महिला की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे रामनगर सीएचसी ले गए। वहां चिकित्सकों ने रीता देवी को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मेजा थाने के इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

## बिजली के खंभे से टकराकर, घर में घुसा मिनी भारवाहक

प्रयागराज। प्रयागराज रीवा हाईवे पर सेमरा कल्पना गांव के सामने सोमवार को अचानक विपरीत दिशा से आई बाइक को बचाने के प्रयास में एक मिनी भार वाहक बेकाबू होकर हाईवे किनारे बिजली के खंभे से टकराते हुए एक घर में घुस गया। घर के लोग दरवाजे पर नहीं थे वरना बड़ी घटना हो सकती थी। घटना में वाहन चालक घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

## रजिस्ट्री प्रक्रिया में बदलाव की आशंका से वकीलों में आक्रोश

प्रयागराज। सरकार द्वारा रजिस्ट्री प्रक्रिया में बदलाव की आशंका से सोरांव तहसील के वकील आक्रोशित हैं। सोमवार को उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। बार एसोसिएशन सोरांव के निवर्तमान महामंत्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि यदि यह प्रक्रिया शुरू हुई तो लोगों को गंभीर खामियां भुगतनी पड़ सकती हैं। वकीलों ने सरकार से मांग की कि इस प्रक्रिया को जन सेवा केंद्रों तथा साइबर कैफे के माध्यम से लागू न किया जाए। इस दौरान दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

## ट्रक की टक्कर से डंपर चालक की गई जान

प्रयागराज। हंडिया-कानपुर हाईवे के मेंडारा गांव के सामने सोमवार को डंपर और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे में डंपर चालक की मौत हो गई। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के न्यू मम्फोर्डगंज निवासी शुभम कनौजिया (30) पुत्र रवि कनौजिया सोमवार तड़के डंपर लेकर फतेहपुर से सहसों बाजार जा रहा था। जैसे ही वह मेंडारा गांव के सामने पहुंचा कि डंपर की स्टेयरिंग फेल हो गई। सड़क की पटरी पर खड़े ट्रक से डंपर टकरा गया। इस दौरान डंपर चालक केबिन में फंस गया। जानकारी मिलते हाईवे का सुरक्षा दल मौके पर पहुंचा। केबिन में फंसे चालक को बाहर निकाला। फौरन घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार ले आया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता रवि कनौजिया की तहरीर पर पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## करंट की चपेट में आने से 11वीं के छात्र की मौत

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र के कटका बैरियर के पास सोमवार तड़के 18 वर्षीय छात्र 11वीं के छात्र की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। बताते हैं कि देर रात आंधी से कमरे में लगा फर्राटा पंखा असंतुलित होकर कटका बैरियर निवासी मुकेश पुत्र धर्मपाल के ऊपर गिर गया। आशंका है कि पंखे में पहले से करंट दौड़ रहा था। मृतक पढ़ाई के साथ-साथ अपने पिता के कार्यों में भी सहयोग करता था। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। पिता धर्मपाल का पुश्तैनी मकान पुराने पुल के पास है। कुछ समय पहले परिवार ने कटका बैरियर के पास नया मकान बनाकर किराने की दुकान शुरू की थी। ग्राम प्रधान मनोज कुमार निषाद ने बताया कि हवा के कारण पंखा छात्र पर गिर गया और करंट से युवक की मौत हो गई। करछना थाना प्रभारी प्रवीण कुमार गौतम ने बताया कि पुलिस को घटना की कोई सूचना नहीं दी गई थी।

## संक्षिप्त

### महिला ने फंदा लगाकर दी जान, शव देख चीख पड़ी बेटी

लखनऊ (संवाददाता)। मड़ियाव के पलटन छावनी इलाके में 39 वर्षीय महिला ने घर में दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय महिला ने अपनी बेटी को फूल लेने के लिए बाहर भेज दिया था। कुछ देर बाद बेटी वापस लौटी तो मां को फंदे से लटका देख चीख पड़ी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान निशा कन्नौजिया (39) पत्नी हरीश कन्नौजिया के रूप में हुई है। हरीश पेशे से ड्राइवर हैं। परिजनों के मुताबिक, निशा पिछले करीब 22 वर्षों से मानसिक बीमारी का इलाज करा रही थीं। इससे पहले भी वह दो बार आत्महत्या का प्रयास कर चुकी थीं। परिजनों ने बताया कि घटना के समय घर में बच्चे मौजूद थे। निशा ने बेटी को फूल लेने के लिए बाहर भेजा और उसके जाते ही कमरे में दुपट्टे के सहारे फंदा लगा लिया। बेटी लौटकर आई तो मां को लटका देख चीख पड़ी। उसकी चीख सुनकर परिवार और पड़ोसी दौड़ पड़े। परिजन उन्हें नीचे उतारकर अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतका अपने पीछे पति, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गई हैं। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

### राकेश टिकैत ने लखनऊ में किसान भवन का भूमि पूजन

लखनऊ (संवाददाता)। किसान नेता राकेश टिकैत ने राम मंदिर चंदा विवाद पर कहा है कि जो मंदिर का खाएगा, वो पनपेगा नहीं। यदि चंदे की रकम में कोई गड़बड़ी हुई है तो उसकी रिकवरी होनी चाहिए। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, मेरठ के सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि यह केवल किसी अर्दली या चपरासी का काम नहीं हो सकता। चढ़ावे का पैसा कहीं और भी लगाया जा रहा है। चंपत राय मेरी विधानसभा में निवेश कर रहे हैं। दोनों नेता मंगलवार को लखनऊ के मोहनलालगंज में थे। यहां उन्होंने भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रस्तावित किसान भवन का भूमि पूजन किया। राकेश टिकैत ने कहा कि यह भवन प्रदेशभर से यहां आने वाले किसानों के ठहरने की स्थायी जगह बनेगा। राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि राजधानी लखनऊ में पैसे लेकर अवैध निर्माण कराए जा रहे हैं। वहीं, अतुल प्रधान ने कहा– अयोध्या मुद्दे पर कहा कि चंपत राय के एक रिश्तेदार मेरी विधानसभा में करीब 200 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट विकसित कर रहे हैं। यदि मंदिर चढ़ावा में अनियमितताएं हुई हैं तो ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

### दरोगा की बेटी ने सुसाइड किया, बंथरा थाने में तैनात हैं पिता

लखनऊ (संवाददाता)। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में एक दरोगा की 21 वर्षीय बेटी ने सोमवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह ऍ अफसर बनने के लिए यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। मंगलवार तड़के परिजनों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। बंथरा थाने में उप निरीक्षक के पद पर तैनात ओम प्रकाश सोनकर अपनी बेटी श्रद्धा सोनकर को मंगलवार तड़के करीब 4रू30 बजे जगाने उसके कमरे में पहुंचे। कमरा अंदर से बंद था। कई बार आवाज देने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने खिड़की से झांककर देखा। श्रद्धा पंखे के हुक से चद्दर के सहारे फांसी के फंदे से लटकी हुई मिली। ओम प्रकाश ने तुरंत परिजनों को यह बात बताई और सरोजनी नगर पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ओम प्रकाश सोनकर अनौरा गांव स्थित आरके मैरिज लॉन के पास रहते हैं। मृतक श्रद्धा के परिवार में उनके पिता ओम प्रकाश सोनकर, मां आरती सोनकर और दो भाई आदित्य सोनकर व रितिक सोनकर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा द्वारा यह कदम उठाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद ही सच्चाई सामने आ पाएगी।

### सरोजनीनगर में बारिश, गोमतीनगर में बूंदाबांदी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में सुबह 10.45 रिमझिम बारिश होने लगी। गोमतीनगर में बूंदाबूंदी हुई। शहर के अन्य इलाकों में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। हवा भी चल रही है। आज बादलों की वजह से धूप नहीं दिखी। मौसम विभाग ने दोपहर में बादलों की गरज–चमक के साथ बारिश की प्रबल संभावना जताई है। हवा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास रहेगा। वहीं, आज से लू का असर खत्म हो जाएगा, जिससे भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिलेगी। अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 75 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 49 फीसदी रही। लखनऊ मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया– मानसून ने तराई बेल्ट के रास्ते यूपी में एंट्री ली है। इनमें सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, बलिया सहित अन्य जिले शामिल हैं।

### सपा विधायक कमाल अख्तर ने दिया इस्तीफा, सांसद से अनबन के बीच बड़ा कदम

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी से बड़ी खबर सामने आ आई है। कमाल अख्तर ने विधानमंडल के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा के साथ अनबन की चर्चाओं के बीच कमाल अख्तर का इस्तीफा सामने आया है। कमाल अख्तर मुरादाबाद की कांठ विधानसभा से विधायक हैं। अखिलेश यादव के भरोसेमंद और करीबी नेताओं में शुमार हैं। सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कमाल अख्तर को पार्टी ने विधानमंडल में मुख्य सचेतक का दायित्व सौंपा हुआ था। उनके इस्तीफे की खबर ने पार्टी के अंदर से लेकर बाहर तक हलचल बढ़ा दी है। मंगलवार की दोपहर कमाल अख्तर ने पार्टी कार्यालय पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव को अपना इस्तीफा भी सौंप दिया है।

# अमर शहीदों के नाम ऑनलाइन काव्य संगोष्ठी संपन्न

जबलपुर। हिंदी लेखिका संघ के तत्वावधान में "अमर शहीदों के नाम" विषय पर एक भव्य ऑनलाइन काव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन हिंदी लेखिका संघ की अध्यक्ष डॉ. कामना कौस्तुभ द्वारा किया गया तथा सफल एवं प्रभावी संचालन उमा मिश्रा "प्रीति" ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ छाया सक्सेना द्वारा सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति से हुआ।

कार्यक्रम में देश के अमर वीर बिरसा मुंडा, महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई एवं रानी दुर्गावती के अद्वितीय शौर्य, त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम पर आधारित ओजपूर्ण एवं भावपूर्ण काव्य प्रस्तुतियाँ दी गईं। सभी रचनाकारों ने अपनी प्रभावशाली अभिव्यक्तियों से देशभक्ति की भावना को सशक्त स्वर प्रदान करते हुए शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

संगोष्ठी में श्रीमती अर्चना मलैया, ज्योति मिश्रा, सुषमा सुरेशचंद्र साहू, राजकुमारी रैकवार 'राज', डॉ. मुकुल तिवारी, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, गायत्री नीरज चौबे, चंद्रप्रकाश वैश्य, डॉ. शोभा सिंह, रेखा चौधरी, आरती शर्मा, एडवोकेट प्रभा खरे 'अखिल' तथा अलका मधुसूदन पटेल ने अपनी गरिमामयी काव्य प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाया।

स्वागत उद्बोधन में हिंदी लेखिका संघ की अध्यक्ष डॉ. कामना कौस्तुभ ने सभी साहित्यकारों एवं रचनाकारों का स्वागत करते हुए संस्था की आगामी साहित्यिक गतिविधियों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने उपस्थित साहित्यकारों से सुझाव आमंत्रित किए कि हिंदी के प्रचार–प्रसार, नवोदित साहित्यकारों के मार्गदर्शन तथा साहित्य को नई दिशा देने के लिए किस प्रकार की संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ एवं विषय आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।

उन्होंने यह भी कहा कि संस्था भविष्य में विद्यार्थियों एवं युवा पीढ़ी को हिंदी साहित्य और सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करेगी, जिससे हिंदी भाषा के प्रति नई पीढ़ी में रुचि और साहित्यिक संस्कार विकसित हो सकें। साथ ही उन्होंने अमर शहीदों के आदर्शों को आत्मसात करते हुए साहित्य के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना को जन–जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का निर्देशन हिंदी लेखिका संघ की कार्यक्रम सलाहकार श्रीमती अर्चना मलैया द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी साहित्यकारों, रचनाकारों एवं सहभागियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनके सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार साहित्यिक गतिविधियों में सहभागिता बनाए रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम में सहभागिता करने वाली सभी महिला रचनाकारों को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के सम्मानस्वरूप ऑनलाइन प्रशस्ति–पत्र प्रदान किए गए। इस सम्मान के माध्यम से संस्था ने उनके साहित्य–सृजन, राष्ट्रप्रेम एवं हिंदी भाषा के प्रति समर्पण का अभिनंदन किया।

# सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर और उनका योगदान

## राष्ट्र धर्म व सामाजिक विकास की अलख जगाता समाज

प्रतापगढ़। समाज शेखर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ और प्रयागराज क्षेत्र के एक बेहद प्रतिष्ठित पर्यावरणविद्, जल–संरक्षण विशेषज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्हें इलाके में जन–भागीदारी से सूखी नदियों को पुनर्जीवित करने के कारण ष्वाटरमैनष् (जमतउंद) और ष्बकुलाही पुत्रष् के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में वे प्रतापगढ़ जिले के मनरेगा लोकपाल (व्उइनकेउंद) और जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद के नामित सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं।

उनके मुख्य कार्य और समाज के उनके योगदान निम्नलिखित हैं:

1. बकुलाही नदी का ऐतिहासिक पुनरोद्धार (त्पअमत त्मरनअमदंजपवद)18 किमी लंबी नई जलधारा की खुदाईरू वर्ष 1987 में सरकारी लूप–कटिंग (धारा सीधे करने) के कारण बकुलाही नदी का मार्ग बदल गया था, जिससे लगभग 50 से अधिक गांवों में पानी का भारी संकट खड़ा हो गया था।

10,000 ग्रामीणों का जन–आंदोलनरू समाज शेखर ने साल 2011 में श्भयहरणनाथ धामश पर बकुलाही नवजीवन बुलाकर भगीरथ संकल्प लिया। उन्होंने बिना किसी बड़ी सरकारी मदद के, लगभग 10,000 ग्रामीणों को एकजुट किया और श्रमदान के बल पर 18 किलोमीटर लंबी नहर खोदकर नदी को उसके प्राचीन और प्राकृतिक रास्ते पर वापस ला दिया। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद उन्हें श्वाटरमैनश की उपाधि मिली। हालांकि अभी भी 2013 में लिए गए सरकार व जिलाधिकारी के आदेश व कार्य अधूरे है, नदी की प्राचीन पुनरोधारित धारा को सदानीरा करने के लिए समाज और सरकार के साथ समन्वय करके डाईवर्जन बांध बनाये जाने हेतु लगातार सक्रिय है।

2. जल, नदी और पर्यावरण संरक्षण अभियान भू–जल जागरूकता सप्ताहरू वे प्रतापगढ़ और प्रयागराज के आसपास के ग्रामीण अंचलों में लगातार ष्जल जन विकास अभियानष् जागृति अभियान चलाते हैं। उनका नारा है कि ष्पानी का कोई विकल्प नहीं है, इसका संरक्षण सबकी जिम्मेदारी है।ष् 100 से अधिक प्राचीन तालाबों को उनका अस्तित्व जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से पुनरोद्धार किया गया, जिसमे प्रतापगढ़ के रानीगंज तहसील का प्राचीन चनौरा ताल, सदर तहसील के भयहरणनाथ धाम का शिव गंगा तालाब, पट्टी तहसील में पूरे बाल किशुन का सार्वजनिक तालाब, कुंडा का बरद्वैत वीर बाबा का तालाब तथा प्रयागराज के यमुनापार के चिल्ला गौहानी व रामगढ़ धाम के तालाब उल्लेखनीय है।

लघु नदियों का पुनरुद्धारः बकुलाही के बाद वे इस क्षेत्र की अन्य पौराणिक जलधाराओं जैसे दुवर नदी, सई नदी और मनसैता नदी , लोनी, ज्वालामुखी, असि, वरुणा व मोक्षदा जल धारा आदि को प्रदूषण मुक्त करने और उनका पुराना स्वरूप लौटाने के लिए श्शासन और समाजश (सरकार और जनता) के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं।

3. सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षणप्राचीन धरोहरों को सहेजनाः ग्रामीण क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान वे सदियों पुराने कुओं, तालाबों और पीपल जैसे पूजनीय वृक्षों को श्ग्रामसभा की अमूल्य धरोहरश घोषित करवाकर उन्हें संरक्षित करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करते हैं। वर्ष 2001 से प्रतापगढ़ के प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम व 2017 से प्रयागराज के यमुनापार के शंकरगढ़ ब्लाक स्थित प्राचीन रामगढ़ धाम को उसका खोया अस्तित्व जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से वापस लाया और निर्लिप्त भाव से सरकार व समाज के सहभागिता से संरक्षण व मार्गदर्शन करते है। वहीं ब्लाक के स्वरूप पुर राजस्व ग्राम में स्थित ८ वीं शदी के प्राचीन सूर्य मंदिर के पुरावशेष व सूर्य प्रतिमा व शिवलिंग का वर्ष 2010 में सरकार द्वारा पंजीकृत कराके निरंतर जन सहयोग व लोक भागीदारी से संरक्षण हो रहा है तथा सरकार की विकास योजनाएं प्रस्तावित है।

प्रयागराज में प्राचीन घाटों का पुनर्जागरणः प्रयागराज में गंगा और यमुना के प्राचीन ऐतिहासिक घाटों (जैसे प्राचीन संगम घाट, श्रृंगवेरपुर, शंकरघाट) की स्वच्छता, सुंदरीकरण और उनके ऐतिहासिक महत्व को वापस दिलाने के लिए वे स्थानीय साथियों व संगठनो के सहयोग से श्प्राचीन घाट पुनर्जागरण अभियानश भी चलाते हैं

4. प्रशासनिक भूमिका (मनरेगा लोकपाल)भ्रष्टाचार पर लगाम और पारदर्शी कार्यः प्रतापगढ़ के ज़िला लोकपाल (डळछटम्ळ) व्उइनकेउंद) के रूप में वे गांवों का औचक निरीक्षण करते हैं। मनरेगा कार्यों में पारदर्शिता लाना, मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करना और विकास कार्यों की कमियों को व्यक्तिगत रूप से जन–सुनवाई करना उनकी दैनिक कार्यशैली का हिस्सा है।

संक्षेप में: समाज शेखर एक ऐसे ज़मीनी सिपाही हैं, जिन्होंने किताबी पर्यावरणवाद से दूर हटकर कुदाल उठाई और समाज को पानी के संकट से उबारने के लिए लोक–शक्ति का एक अनोखा उदाहरण पेश किया

# यमुना एक्सप्रेसवे हादसा: डीएम व एसएसपी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

मथुरा। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत यमुना एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 112–113 के बीच मंगलवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने जिला अस्पताल मथुरा तथा अनंत कीर्ति अस्पताल पहुंचकर उपचाराधीन घायलों का कुशलक्षेम जाना। दोनों अधिकारियों ने अस्पताल में भर्ती यात्रियों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर उनका हालचाल लिया और चिकित्सकों से घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक तथा अनंत कीर्ति अस्पताल के चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। गौरतलब है कि मंगलवार तड़के यमुना एक्सप्रेसवे पर गोला बस सर्विस की वोल्वो बस ट्रेलर से टकरा गई थी, जिसमें चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जिला प्रशासन और पुलिस की निगरानी में घायलों का उपचार जारी है।

# कोल्डस्टार लॉजिस्टिक्स ने लखनऊ में नई सुविधा का उद्घाटन किया

लखनऊ (संवाददाता)। अपनी व्यापक राष्ट्रीय विस्तार रणनीति के तहत भारत की अग्रणी तापमान–नियंत्रित एवं एम्बिएंट सप्लाई–चेन समाधान प्रदाता कोल्डस्टार लॉजिस्टिक्स ने लखनऊ में अपनी नई सुविधा शुरू कर उत्तर भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया है। यह विस्तार ऐसे समय में किया गया है, जब टियर–प्प् शहरों में उपभोग का स्वरूप तेजी से महानगरों के समान होता जा रहा है। इसका प्रमुख कारण संगठित रिटेल, क्विक कॉमर्स, फूड डिलीवरी और हेल्थकेयर सेवाओं का तेजी से विस्तार है।

## लाल सफेद गुलाब

देवों को भाता बहुत, लाल सफेद गुलाब।
अर्पित जिसने भी किया, मिलता उसे शबाब।
मिलता उसे शबाब, मगर अजमाकर माने।
निर्मल मन के साथ, फूल का गुण पहचाने।
सुन लो कहें प्रदीप, सुखद दिन है यह लाता।
रहता जिनको याद, पुष्प देवों को भाता।।

वास्तु शास्त्र कहता यही, ताजा फूल गुलाब।
रिश्तों को दे ताज़गी, बन सच्चा अहबाब।
बन सच्चा अहबाब, करे यह उर्जित मन को।
सुख का बने प्रतीक, दूर करके अनबन को।
सुन लो कहें प्रदीप,पूर्व उत्तर में खिलता।
लाता है यह शान्ति, यही वास्तु शास्त्र कहता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

### एसएसपी श्लोक कुमार बोलेः राहत कार्य प्राथमिकता, हादसे के कारणों की जांच जारी

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर थाना राया क्षेत्र में हुई भीषण सड़क दुर्घटना के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और फायर सर्विस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गईं। संयुक्त अभियान चलाकर बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजकर उपचार शुरू कराया गया।

एसएसपी ने बताया कि दुर्घटना में मृतकों की पहचान कराने और उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, सुरक्षित यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजने की भी व्यवस्था की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा घटनास्थल पर यातायात को शीघ्र सामान्य कराया गया और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की गहन जांच कराई जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार अथवा चालक की लापरवाही की आशंका है, लेकिन जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे। दोषी पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

### सास ने बहू को बेल्ट से पीटा, बहन और छोटे बेटे को भी मारपीट के लिए बुलाया

लखनऊ (संवाददाता)। पारा थाना क्षेत्र का एक वीडियो सामने आया है। इसमें 2 अधेड़ उम्र की महिलाएं एक एक महिला को डंडे और बेल्ट से पीटती दिख रही हैं। दोनों ने उसके बाल भी नोचे। इस मामले में पीड़ित महिला ने थाने में शिकायत दे दी है। पुलिस ने बताया है कि सास ने अपनी बहन और छोटे बेटे को बुलाकर बहू को पीटा है। मामले की जांच की जा रही है। घायल महिला की मेडिकल जांच कराई जा रही है। मामला बुद्धेश्वर के आदर्श विहार कॉलोनी का है। पीड़िता सोनी कश्यप ने थाने में दी शिकायत में बताया कि मेरी सास शारदा देवी ने 29 जून को सुबह करीब 9रू30 बजे मुझे गाली देनी शुरू कर दी। जब मैंने इसका विरोध किया तो उन्होंने देवर शिवम को बुला लिया। दोनों ने मुझे लाठी–डंडे से पीटा। मारपीट के बाद देवर घर से भाग गया। कुछ देर बाद सास वहां से गईं और अपनी बहन कमलेश को बुला लाईं। फिर उन दोनों ने मिलकर मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। मेरे बाल नोचे। मुझे बेल्ट से पीटा। घर से लेकर दरवाजे के बाहर तक घसीट–घसीटकर मारा। इस दौरान मोहल्ले के लोग तमाशा देखते रहे। इस मारपीट से मेरे सिर में गंभीर चोट आई और काफी खून बह गया। कई बाहरी और अंदरूनी चोटें आई हैं। अस्पताल जाकर इलाज कराना पड़ा है। मारपीट के दौरान मेरे कान से करीब तीन ग्राम वजनी सोने के गहने छीन लिए गए। पीड़िता ने बताया– सास ने उसके (पीड़िता के) पति यानी अपने बड़े अजय कश्यप और पोते ईशान को जान से मारने की धमकी दी। बीचबचाव करने आए अजय के गर्दन में नाखून से नोच लिया। सास और देवर कई दिनों से लगातार उनके साथ मारपीट कर रहे हैं। पारा थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह का कहना है कि पीड़िता की शिकातय पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है।


**उत्तर मध्य रेलवे**

**ई-निविदा निविदा सूचना** — दिनांक 26.06.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ. & एफ.), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती हैं-

GEM बिड संख्या: GEM/2026/B/7700868 Dated: 26.06.2026

कार्य का नाम-प्रयागराज मंडल में रोलिंग स्टॉक में समस्या निवारण कार्यों के लिए, सामग्री और कर्मचारियों के परिवहन हेतु, 9 मीट्रिक टन वहन क्षमता वाले ट्रक को कार्य के स्कोप के अनुसार आवश्यक संशोधनों सहित 03 वर्षों के लिए किराए पर लेना।

| | | |
|---|---|---|
| निविदा सिस्टम: डबल पैकेट सिस्टम | कार्य का अनुमानित लागत (रु. में): 7372731.96 | |
| EMD(रु.): 147500 | ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य | कार्य की अवधि: 03 वर्ष |

GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि: 26.06.2026, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 17.07.2026&15:00:00, नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GEM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अवलोक की जाएगी और वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा खुलने की नियत तिथि तक बनी रहेगी। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज़ पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई-निविदा निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। 7. जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति नहीं है। 1472/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना संख्या : EL-C-PRYJ -11-26-27 — दिनांक : 24.06.2026

**ई-निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 22.07.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् है-

| | |
|---|---|
| निविदा सं0: EL-C-PRYJ-11-26-27 | निविदा खुलने की तिथि : 22.07.2026 |

कार्य का नाम : सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ (2x25 KV, AC, 50 Hz), ओ.एच.ई. ऑफ इटावा फ्लाईओवर एंड मोडिफिकेशन इन एक्सिस्टिंग ओ.एच.ई. इन कनेक्शन विथ प्रोजेक्ट ऑफ लिंक लाइन बिटवीन ETW - BKX लाइन एंड ETW - MNQ लाइन वाया फ्लाईओवर एंड एडिशनल लिंक लाइन फ्रॉम चिड़ लाइन टू ETW (10 KM) प्रयागराज डिवीजन इन एन.सी. रेलवे।

प्राक्कलित कार्य की लागत (रु0 में) : 7,79,75,202.88/-

| | |
|---|---|
| बोली प्रतिभूति (रु0 में) : 15,59,500.00/- | कार्य अवधि : 18 माह |

नोट:- 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरो को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1458/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

## सम्पादकीय........

# पासपोर्ट को लेकर अनावश्यक विवाद!

24 जून 2026 को पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के बयान ने पूरे देश में हड़कंप मचा दिया। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारतीय पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है, न कि नागरिकता का निर्णायक प्रमाण। विपक्षी दलों ने इसे सत्ता पक्ष की 'नागरिकता राजनीति' से जोड़ा, जिससे आम नागरिकों के मन में भ्रम और आशंका पैदा हो गई। यह विवाद क्यों और कब उठा और क्या यह विवाद खड़ा करना आवश्यक था? इस विवाद की जड़ों को समझें। गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पासपोर्ट को मुख्य रूप से यात्रा दस्तावेज माना जाता है, जो धारक की राष्ट्रीयता की पुष्टि करता है। वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमैटिक रिलेशंस और अन्य अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के तहत, पासपोर्ट जारी करने वाला देश यह गारंटी देता है कि धारक उसके क्षेत्र में लौट सकता है। यह दस्तावेज सीमा पार यात्रा, वीजा प्राप्ति और विदेश में सुरक्षा के लिए आवश्यक होता है। अमरीका में भी पासपोर्ट नागरिकता का प्राथमिक प्रमाण है लेकिन यह जन्म, वंशानुगतता या प्राकृतिकरण जैसे आधारों पर निर्भर करता है। भारत में भी पासपोर्ट एक्ट, 1967 के तहत पासपोर्ट यात्रा के लिए जारी किया जाता है। विदेश मंत्रालय का बयान इस कानूनी वास्तविकता को दोहराता है। पासपोर्ट नागरिकता नहीं बनाता, बल्कि सरकार की संतुष्टि पर आधारित होता है कि धारक भारतीय नागरिक है। अंतर्राष्ट्रीय रूप से, पासपोर्ट राष्ट्रीयता का प्रतीक है लेकिन यदि किसी की नागरिकता पर विवाद हो (जैसे आप्रवासन, आतंकवाद या दोहरी नागरिकता के मामले में), तो कोर्ट या सक्षम प्राधिकरण मूल दस्तावेजों–जन्म प्रमाण–पत्र, माता–पिता के दस्तावेज, प्राकृतिककरण प्रमाण आदि, की जांच करते हैं। भारत में यह स्थिति नई नहीं है। बॉम्बे हाईकोर्ट (2013) और सुप्रीम कोर्ट ने भी यही रुख अपनाया है कि पासपोर्ट अकेला निर्णायक साक्ष्य नहीं है। भारतीय नागरिकता संविधान के अनुच्छेद 5 से 11 और नागरिकता अधिनियम, 1955 द्वारा निर्धारित होती है। नागरिकता जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिकरण या क्षेत्र समावेशन से प्राप्त होती है। 1987 और 2004 के संशोधनों ने जन्म–आधारित नागरिकता को माता–पिता की नागरिकता पर निर्भर कर दिया। कोई एकल दस्तावेज (पासपोर्ट, आधार, वोटर आई.डी. या पैन) नागरिकता का पूर्ण प्रमाण नहीं है। वर्तमान विवाद का संदर्भ विशेष गहन समीक्षा (एस.आई.आर.) है, जो 16 राज्यों में मतदाता सूचियों की सफाई के लिए चल रही है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट वोटर सूची से बाहर किए गए व्यक्ति के खिलाफ चुनौती के लिए पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि यह यात्रा दस्तावेज है। वास्तव में, करोड़ों भारतीय पासपोर्ट धारक दैनिक जीवन में इसे अपनी भारतीयता का सबसे मजबूत प्रतीक मानते हैं। पासपोर्ट पुलिस वैरिफिकेशन, दस्तावेज जांच और जैवमितीय डाटा के बाद जारी होने वाला दस्तावेज है। सरकार के कई पोर्टल और फॉर्म्स में अक्सर पासपोर्ट को नागरिकता के सबूत के रूप में स्वीकार किया जाता है। विपरीत रूप से देखा जाए तो आम नागरिकों के पास कोई 'नागरिकता प्रमाण–पत्र' नहीं होता। यह मुख्य रूप से प्राकृतिककरण या विशेष मामलों में ही जारी किया जाता है। यह बयान इसलिए अप्रासंगिक लगता है क्योंकि भारत में अधिकांश नागरिक जन्म–आधारित हैं। पासपोर्ट जारी करने से पहले गहन जांच होती है। इसे अचानक केवल 'यात्रा दस्तावेज' कहकर सरकार ने जनता को यह महसूस कराया कि उनकी भारतीयता 'कागजी' है, जबकि वास्तव में यह संवैधानिक अधिकार है।आम आदमी सोच रहा है कि क्या उसका पासपोर्ट रद्द हो सकता है या 'सी.ए.ए.–एन.आर.सी.' जैसे अभियानों में इसे नजरअंदाज किया जाएगा? विपक्षी दल इसे मुस्लिम–विरोधी एजेंडे से जोड़ रहे हैं, जबकि सत्ता पक्ष इसे कानूनी स्पष्टीकरण बता रहा है। सवाल उठता है कि आधार, वोटर आई.डी. आदि भी निर्णायक नहीं हैं, तो क्या सबकी नागरिकता संदिग्ध है? यह सवाल लाखों लोगों के मन में घूम रहा है। परिणामस्वरूप विश्वसनीयता का संकट पैदा हो गया है। वर्तमान विवाद अनावश्यक है क्योंकि यह मौजूदा कानूनी ढांचे को दोहराता है लेकिन जनभावनाओं को नजरअंदाज करता है। सरकार को अब संवाद और स्पष्टता से इस संकट को दूर करना चाहिए। सरकार नागरिकों को आश्वस्त करे कि उनकी भारतीयता संवैधानिक है, न कि किसी दस्तावेज पर निर्भर। ऐसा करने से एक मजबूत, पारदर्शी नागरिकता ढांचा न केवल भ्रम दूर करेगा, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर और मजबूत बनाएगा।

# 2027 यूपी विधानसभा क्या 2024 लोकसभा के नतीजे दोहराएगा?

शकील अख्तर

उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में केवल छह महीने बचे हैं। 2022 में जनवरी के पहले सप्ताह में चुनाव कार्यक्रम घोषित हो गया था। और 10 फरवरी को पहले चरण का मतदान था। कहने और लिखने को चुनाव अगले साल हैं। मगर समय कितना बचा है? समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव इसीलिए कह रहे हैं कि कांग्रेस की तैयारियां कमजोर लग रही हैं। कांग्रेस में इमरान मसूद इसका जवाब यह कह कर दे रहे हैं कि फिर लड़ लें अकेले चुनाव! अखिलेश ने अकेले लड़ने की बात नहीं कही है। साफ कहा है कि साथ मिलकर लड़ेंगे। मगर उन्हें बेवजह भड़काने की कोशिश बताती है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कौन देख रहा है इसको लेकर स्पष्टता नहीं है। इमरान मसूद सांसद हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव सपा के साथ गठबंधन से ही बने थे। मगर कांग्रेस में जैसा अन्य प्रदेशों में होता है वैसा ही यूपी में भी हो रहा है कि हर नेता अपनी अलग भाषा बोल रहा है। केन्द्रीय स्तर पर कांग्रेस तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव को देखते हुए ही उसने वहां अपने इन्चार्ज को बदला। यूपी में इस समय एक दलित वोट ही ऐसा है जो पूरी तरह ओपन है। किसी भी तरफ जा सकता है। और जिस तरफ जाएगा बड़ा हिस्सा। लगभग 21 प्रतिशत है। इसी की दम पर मायावती चार बार मुख्यमंत्री रही हैं। मगर अब उनकी राजनीति खुद अपने को बचाने तक ही सीमित हो गई है। हालत यह है कि लोकसभा और राज्यसभा में उनका एक भी सदस्य नहीं है। और विधानसभा में केवल एक। ऐसे में दलित वोट अपना रास्ता ढूंढ रहा है। कांग्रेस ने यही देखते हुए अपने एससी डिपार्टमेंट के चौयरमेन राजेन्द्र पाल गौतम को यूपी का नया इंचार्ज बनाया है। मगर उन्होंने यूपी जाकर अपना कार्यभार संभालने से पहले ही दिल्ली में राज्य की आधी सीटों पर दावेदारी ठोक दी। यूपी में इस समय 403 विधानसभा की सीटों में से कांग्रेस की केवल 2 सीटें हैं। और दावा 200 से एक या दो ज्यादा सीटों पर!

जैसा कि हमने ऊपर लिखा केवल 6 महीने हैं और राज्य बहुत टफ। कितना? वह इसी से समझ लीजिए कि 37 साल पहले कांग्रेस के आखिरी मुख्यमंत्री हुए थे नारायणदत्त तिवारी। 1989 तक। उसके बाद से सपा भाजपा बसपा का दौर शुरू हो गया। और कांग्रेस 37 साल से राज्य में अप्रसांगिक पड़ी हुई है। सारे प्रयोग कर लिए अकेले लड़ कर भी और सपा–बसपा के साथ मिलकर भी। अपनी सबसे करिश्माई नेता मानी जाने वाली प्रियंका गांधी को इंचार्ज बनाकर भी। मगर वह पार्टी जो आजादी के पहले जब संयुक्त प्रान्त कहा जाता था उस समय से बीच का जब गैरकांग्रेस वाद के नाम पर 1967 में संविद सरकारें बन रही थीं का थोड़ा सा अन्तराल छोड़ दें तो 1989 तक हमेशा सत्ता पर काबिज रही वह अब एक कमजोर हालत में पड़ी हुई है। पांच साल तक कोई काम नहीं होता है। और जब चुनाव आता है तो हर बार वह बेमतलब की बहस शुरू हो जाता है कि साथ लड़ना है या अकेले! अभी समय है। हालांकि संभावनाएं यही कहती हैं कि साथ मिलकर लड़ेंगे। अखिलेश ने बोला ही है। और राहुल साथ मिलकर लड़ने के हिमायती हैं। और सबसे बड़ी बात 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बता दिया कि साथ मिलकर लड़ने का क्या फायदा है। सपा और कांग्रेस ने मिलकर आधी से ज्यादा सीटें जीत लीं। 80 सीटों में से सपा ने 37 जीतीं। जो उसका आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कांग्रेस ने छह। मिलकर 43 हुईं। और भाजपा केवल 33 पर सिमट गई। लोकसभा की सीटों पर विधानसभा के परिणाम नहीं मापे जा सकते। मगर दो साल में राज्य में भाजपा की हालत और कमजोर हो गई है। उसके आन्तरिक विवाद जो भाजपा में सामान्यतरू होते नहीं हैं वह तो हैं ही। अखिलेश यादव इन्हें दो इंजनों का टकराना कहते हैं। भाजपा बातों से लोगों को भरमाने के लिए इस तरह के भाषाई खेल करती रहती है। डबल इंजन की सरकारें। अखिलेश अच्छा तंज करते हैं इस पर कि यूपी में तो दोनों इंजन आपस में ही टकराते रहते हैं। मोदी और योगी के बीच तनाव होने की बात करते हुए वे कहते हैं कि एक दूसरे के नमस्कार भी नहीं लिए जाते।किसी और राज्य में इस तरह की स्थिति की आप कल्पना भी नहीं कर सकते। मगर यूपी में भाजपा के आन्तरिक झगड़ों का गहरा असर है। ऐसे में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला भाजपा के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गया है। खुद भाजपा विश्व हिन्दू परिषद के लोग इससे बेहद आहत हैं। दोषियों के लिए फांसी की मांग कर रहे हैं। तब आप सोच सकते हैं कि आम जनता में इसको लेकर कितना दुरूख और रोष होगा। पेपर लीक बेरोजगारी जैसी दूसरी समस्याएं तो हैं हीं। कांग्रेस छात्रों की समस्या पर प्रयागराज में एक बड़ा छात्र सम्मेलन कर रही है। यहां यह बात बहुत महत्वपूर्ण है कि विधानसभा में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व चाहे कम हो मगर उसके मुद्दों का राज्य में बहुत समर्थन है। पहले प्रयागराज में 10 जुलाई को छात्र सम्मेलन होने वाला था। मगर इसके लिए छात्र और युवाओं का उत्साह देखते हुए कांग्रेस ने और ज्यादा तैयारी के साथ इसे करने के लिए इसकी तारीख बढ़ा दी है। अब यह 19 जुलाई को होगा। एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस की टीमों के साथ कांग्रेस के समन्वयक भी प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में छात्र और युवाओं के बीच जाकर उन्हें सम्मेलन में आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। राहुल गांधी कोटा के पहले छात्र सम्मेलन की तरह यहां भी रहेंगे। और प्रियंका गांधी भी यहां आएंगी। अखिलेश इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि जमीन पर कम ताकत दिखने के बावजूद प्रभाव में कांग्रेस की ताकत बहुत है। कांग्रेस के साथ आने से उनकी ताकत कई गुना बढ़ जाती है। जैसे एक मोटा उदाहरण दलित वोटों का ही है। दलित यूपी में सबसे कम सपा की तरफ जाता है। मायावती ने मुलायम अखिलेश के खिलाफ बोल–बोलकर उनके मन में बहुत गलत भावनाएं भर रखी हैं। मगर जब कांग्रेस सपा के साथ आती है तो दलित भी कांग्रेस पर विश्वास करके गठबंधन के साथ आता है। 2024 लोकसभा में उसने सपा कांग्रेस को वोट दिया। वैसे तो 2027 में सात राज्यों में विधानसभा चुनाव है। और हर राज्य का अपना अलग महत्व है। यूपी के अलावा उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात, हिमाचल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के साथ मणिपुर एवं गोवा में भी चुनाव है। मगर सबसे बड़ा राज्य होने के कारण और अभी श्रीराम मंदिर जो सीधा प्रधानमंत्री मोदी की देखरेख में है। वहां ट्रस्ट में उनके ही सारे आदमी लगाए गए थे। वहां चढ़ावे में चोरी हो जाना बताता है कि या तो सरकार का नियंत्रण कमजोर हो गया है या यह सब कुछ सरकार की जानकारी में हो रहा था। एक ड्राइवर टिन्नू यादव को मुख्य अभियुक्त बनाया जा रहा है। उसके लिए फांसी की सजा की मांग की जा रही है। बाकी एफआईआर में जिन आरोपियों के नाम हैं उनके लिए कहा जा रहा है कि छह–छह महीने जेल में रखकर फिर इन्हें छोड़ दिया जाए। राहुल गांधी यही कहते हैं कि यह मनुस्मृति लागू करना चाहते हैं। फिर कानून ऐसे ही होंगे। ओबीसी, दलित, आदिवासी, महिला के लिए अलग सजा। कठोर। बाकी के लिए हल्की। माफी। यूपी विधानसभा चुनाव में यह सब मुद्दे बनेंगे। अखिलेश पीडीए के नाम से चुनाव लड़ रहे हैं। पीडीए मतलब पी से पिछड़ा, डी से दलित और ए से अल्पसंख्यक।

# बदलते राजनीतिक परिदृश्य में वामपंथ को अपनानी होगी नई रणनीति

सोभनलाल दत्त गुप्ता

26 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों ने राज्य की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया है। भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में पहली बार स्पष्ट बहुमत मिला है, जबकि लंबे समय तक सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) बेहद कमजोर स्थिति में पहुंच गई है। इस परिणाम को केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि वर्षों से चले आ रहे भ्रष्टाचार, राजनीतिक हिंसा, भय और प्रशासनिक अव्यवस्था के खिलाफ मतदाताओं की तीखी प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है। चुनाव के बाद जिस तेजी से टीएमसी में टूट–फूट और राजनीतिक अस्थिरता दिखाई दी है, उसने पार्टी की संगठनात्मक कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। यह स्थिति भाजपा के लिए निश्चित रूप से राजनीतिक बढ़त लेकर आई है, लेकिन इससे सबसे बड़ा अवसर वामपंथ के सामने भी पैदा हुआ है। पिछले डेढ़ दशक में टीएमसी ने वामपंथ को अपना प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानते हुए उसे हाशिए पर धकेलने की लगातार कोशिश की। अब जब टीएमसी का प्रभाव तेजी से घटा है और उसके विभाजित समूह प्रभावी विपक्ष बनने की स्थिति में नहीं हैं, तब वामपंथ स्वयं को भाजपा के विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। हाल के दिनों में वाम दलों की रैलियां, बंद पड़े पार्टी कार्यालयों का फिर सक्रिय होना और सार्वजनिक जीवन में उनकी बढ़ती मौजूदगी इसी संभावना का संकेत देती है।

यह अवसर जितना महत्वपूर्ण है, चुनौती भी उतनी ही बड़ी है। भाजपा को व्यापक जनादेश मिला है, इसलिए केवल वैचारिक विरोध या उसे प्रतिक्रियावादी अथवा फासीवादी कहकर राजनीतिक जमीन तैयार नहीं की जा सकती। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाते हुए वामपंथ को सरकार के सामने विकास के ऐसे वैकल्पिक मॉडल रखने होंगे, जिनमें गरीबों, श्रमिकों, किसानों और वंचित वर्गों के हितों को प्राथमिकता मिले। साथ ही उसे यह भी मांग करनी चाहिए कि टीएमसी शासन के दौरान राजनीतिक दमन के शिकार सभी लोगों को न्याय मिले, चाहे उनकी राजनीतिक पहचान कुछ भी रही हो। इससे वामपंथ की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता अधिक विश्वसनीय रूप में सामने आएगी। इसी के साथ सरकार की उन कार्रवाइयों का भी विरोध जरूरी होगा जो लोकतांत्रिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों या कमजोर वर्गों के हितों के विरुद्ध हों। यदि इतिहास लेखन को वैचारिक दृष्टि से बदला जाता है, धार्मिक आधार पर भेदभाव होता है, पुनर्वास के बिना अतिक्रमण हटाने जैसी कार्रवाई की जाती है या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा मिलता है, तो वामपंथ को इन मुद्दों पर स्पष्ट और सुसंगत राजनीतिक हस्तक्षेप करना होगा। वामपंथ के सामने सबसे कठिन चुनौती भाजपा की उस रणनीति को समझने की है, जिसके माध्यम से उसने बड़ी संख्या में हिंदू मतदाताओं का समर्थन हासिल किया। भाजपा ने सीमा पार से अवैध घुसपैठ, मुस्लिम आबादी में वृद्धि और टीएमसी की कथित तुष्टिकरण की राजनीति जैसे मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना पैदा की। चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा के पक्ष में पड़ा मत केवल टीएमसी विरोधी नहीं था, बल्कि उसमें हिंदुत्व आधारित समर्थन भी शामिल था। इन दोनों तत्वों को अलग–अलग समझना वामपंथ के लिए आसान नहीं होगा, लेकिन भविष्य की रणनीति के लिए यह आवश्यक है। लंबे समय तक यह मान लिया गया था कि बंगाल का समाज स्वाभाविक रूप से धर्मनिरपेक्ष है और सांप्रदायिक राजनीति यहां गहरी जड़ें नहीं जमा सकती। लेकिन हाल की राजनीतिक घटनाओं ने इस धारणा को चुनौती दी है। बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बावजूद समाज में धार्मिक अविश्वास और पूर्वाग्रह की अंतर्धाराएं मौजूद रही हैं। वाम शासन के लंबे दौर में भी ऐसी सांस्कृतिक पहल पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो सकी, जो समाज में धार्मिक सहअस्तित्व और साझी विरासत की समझ को मजबूत कर पाती। भाजपा ने इसी खाली स्थान का लाभ उठाते हुए बंगाल के अनेक सांस्कृतिक प्रतीकों को अपनी वैचारिक व्याख्या के अनुरूप प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, श्री अरविंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और यहां तक कि रवींद्रनाथ टैगोर जैसे व्यक्तित्वों के विचारों को उनके व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ से अलग करके प्रस्तुत किया गया। दूसरी ओर, वामपंथ ने भी लंबे समय तक इन विभूतियों को अपेक्षित महत्व नहीं दिया और उन्हें मुख्यतः धार्मिक, साहित्यिक या सांस्कृतिक व्यक्तित्व मानकर राजनीतिक विमर्श से दूर रखा। अब आवश्यकता इस बात की है कि वामपंथ इन ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के विचारों को उनकी संपूर्णता में समाज के सामने रखे। राजा राममोहन राय और विवेकानंद की धार्मिक समन्वय की भावना, श्री अरविंद का मानव एकता का विचार, बंकिमचंद्र का वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक चिंतन, तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रीय सोच आज भी प्रासंगिक हैं। इनकी संतुलित और ऐतिहासिक व्याख्या के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एकांगी दृष्टिकोण का लोकतांत्रिक जवाब दिया जा सकता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बने इस नए राजनीतिक रिक्त स्थान ने वामपंथ को एक अवसर दिया है, लेकिन केवल टीएमसी के पतन से उसकी वापसी सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए उसे लोकतांत्रिक विपक्ष की विश्वसनीय भूमिका निभानी होगी, विकास का व्यावहारिक वैकल्पिक एजेंडा प्रस्तुत करना होगा और सामाजिक–सांस्कृतिक मुद्दों पर भी नई दृष्टि के साथ सक्रिय हस्तक्षेप करना होगा। यदि वामपंथ इन चुनौतियों का उत्तर देने में सफल होता है, तभी वह राज्य की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता दोबारा स्थापित कर सकेगा।

# शहादत पर विवाद होना दुखद

मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरु किए गए श्ऑपरेशन सिंदूरश में छह जवानों की शहादत हुई थी, जिनके नाम अब साल भर बाद जाकर मोदी सरकार ने सार्वजनिक किए हैं। शहीद छह जवानों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल में उकेरे गए हैं। देश की रक्षा और आत्मसम्मान के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाने और सर्वोच्च बलिदान देने के इस जज्बे की तारीफ शब्दों में नहीं की जा सकती न ही पर्याप्त कृतज्ञता जताई जा सकती है। कायदे से शहादत जैसे विषयों पर राजनैतिक बहस या विवाद भी नहीं होने चाहिए। लेकिन मोदी सरकार ने अब सेना को भी राजनैतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना शुरु कर दिया है। इसलिए शहादत पर विवादित बयानबाजी भी हो रही है। दरअसल 28 जुलाई 2025 को संसद सत्र के दौरान लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से कहा था, आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज सैनिकों को कोई क्षति पहुंची है तो उसका उत्तर है नहीं। रक्षा मंत्री के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तैर रहा है, जिसमें सुनाई दे रहा है कि नहीं का उच्चारण उन्होंने पूरा जोर देकर किया था और तब सदन में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से लेकर तमाम बीजेपी सांसदों ने मेजें थपथपाकर मुस्कुराते हुए इस बयान का स्वागत किया था। इस बयान को सुनकर यही समझ आता है कि राजनाथ सिंह साफ कह रहे हैं कि हमारे जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। राजनाथ सिंह ने उसी वक्तव्य में आगे कहा था, प्रतिपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे, मुझे लगता है कि उनका यह सवाल राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने एक बार भी नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। उन्हें सवाल पूछना ही है तो उनका प्रश्न ये होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है हां। आपको प्रश्न पूछना है तो ये पूछिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा तो उत्तर है हां। जिस तरीके विपक्ष का नाम लेकर और उसके सवालों की नीयत पर सवाल उठाकर रक्षा मंत्री ने जवाब दिया, उसी से जाहिर था कि सेना के नाम पर मोदी सरकार राजनीति कर रही है। देश की सेना को वह मोदी सरकार की सेना की तरह बताकर उसके कामों का श्रेय अकेले लूटना चाहती है। जबकि कायदे से सेना जो भी करती है, उसकी तारीफ की हकदार केवल वही होती है, कोई राजनैतिक दल नहीं। बहरहाल, रक्षा मंत्री ने जब ये कह दिया था कि किसी जवान की क्षति नहीं हुई, तो यही माना गया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान का खूब नुकसान किया, लेकिन देश को कोई हानि नहीं हुई। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से कभी लड़ाकू विमान गिराने के दावे किए गए, कभी 10 से ज्यादा जवानों को मारने के। लेकिन इन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। अब छह जवानों के नाम सामने आए हैं, तो विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई को लेकर संसद को गुमराह किया गया। एक्स पर श्री खेड़ा ने लिखा कि श्सिर्फ दो ही संभावनाएं हैं या तो रक्षा मंत्री को अपने ही मंत्रालय से जुड़े तथ्यों की जानकारी नहीं थी, जो उनकी क्षमता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है, या फिर उन्हें सच्चाई मालूम थी और इसके बावजूद उन्होंने संसद को गुमराह करने का फैसला किया। उन्होंने लिखा, जिस सरकार ने खुद को तिरंगे में लपेट रखा है और जो राष्ट्रवाद की बातें करते नहीं थकती, उसी सरकार ने इन वीरों को वह सम्मान और स्मरण नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। पवन खेड़ा ने कहा, इन वीरों के नाम देश की सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए दर्ज होने चाहिए थे। उनके परिवारों को यह महसूस होना चाहिए था कि पूरा देश उनके बलिदान को सम्मान के साथ याद कर रहा है। लेकिन इसके उलट, पूरे एक साल तक भाजपा सरकार ने उनकी शहादत को देश से छिपाए रखने का फैसला किया। इसी तरह के बयान अन्य दलों ने भी दिए, तो अब रक्षा मंत्रालय ने सफाई दी है कि श्कुछ सोशल मीडिया पोस्टों में 28 जुलाई 2025 को संसद में रक्षा मंत्री द्वारा दिए गए भाषण को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है। इन पोस्टों में भाषण के एक छोटे से हिस्से को चुनकर यह झूठा दावा किया गया है कि रक्षा मंत्री ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की मौत नहीं हुई। यह दावा जानबूझकर भ्रामक तरीके से पेश किया गया है और पूरी तरह तथ्यात्मक रूप से गलत है। श्यह याद रखना चाहिए कि जब रक्षा मंत्री संसद में अपना भाषण दे रहे थे, उस समय मीडिया और सोशल मीडिया के कुछ हिस्सों में लगातार यह झूठा प्रचार किया जा रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के पायलट मारे गए थे। यह दावा पूरी तरह गलत था, लेकिन ऑपरेशन की सफलता को कम करके दिखाने और जनता का मनोबल गिराने के उद्देश्य से इसे लगातार फैलाया जा रहा था। रक्षा मंत्री का संबंधित बयान इसी विशेष और भ्रामक दुष्प्रचार के जवाब में दिया गया था। इसलिए उनके बयान को उसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। रक्षा मंत्रालय के बयान में आगे बताया गया है कि श्यह भाषण भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और क्षमता को सम्मान देने वाला था और भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों के लिए एक स्पष्ट संदेश भी था। रक्षा मंत्री और भारत सरकार भारतीय सशस्त्र बलों के प्रत्येक सदस्य के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और श्रद्धा व्यक्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

विशेष रूप से उन वीर जवानों के प्रति, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। श्इसी सर्वोच्च बलिदान के सम्मान में सरकार ने सुनिश्चित किया है कि इन वीर सैनिकों के नाम राष्ट्रीय समर स्मारक (नेशनल वॉर मेमोरियल) की दीवारों पर अंकित किए जाएं। रक्षा मंत्रालय ने जिस तरह की सफाई पेश की है, ऐसा अतीत में कभी नहीं हुआ। भारत पहले भी लड़ाइयों में उलझा है, जिसमें बड़ी संख्या में जवान हताहत हुए हैं। ये लड़ाइयां कांग्रेस और भाजपा दोनों सरकारों के दौरान हुईं, लेकिन कभी किसी को इस तरह सफाई देने की नौबत नहीं आई। मोदी सरकार को इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर क्यों उसके फैसले इस कदर विवादों में उलझ जाते हैं। जब पहलगाम हमला हुआ था, तब भी आतंकियों ने धर्म पूछा, जाति नहीं जैसे पोस्टर बनाकर एक भयावह आतंकी घटना को सस्ती राजनीति का हिस्सा भाजपा ने बनाया था और अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक नया विवाद खड़ा हुआ है, जो किसी तरह उचित नहीं है।

# गलती से चीटिंग को लेकर राम कपूर ने दिया अटपटा बयान, एक्टर से भिड़ गईं आकांक्षा चमोला यूजर्स ने किया सपोर्ट

> वह चीटिंग यानी रिश्ते में धोखे को सही ठहराते हुए नजर आए। इस बात को लेकर यंग एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला उनसे बहस करने लगीं और राम कपूर के बयान को बिल्कुल गलत बताया।

राम कपूर टीवी और फिल्मों के जाने–माने एक्टर हैं, वह अपनी क्लीन इमेज के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ आज तक कोई कंट्रोवर्सी नहीं जुड़ी है। 'लॉकअप 2' रियलिटी शो में उन्होंने एक ऐसी बात बोल दी है, जिससे वह फैंस की नजर से उतर गए हैं। वह चीटिंग यानी रिश्ते में धोखे को सही ठहराते हुए नजर आए। इस बात को लेकर यंग एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला उनसे बहस करने लगीं और राम कपूर के बयान को बिल्कुल गलत बताया। 'लॉकअप 2' में राम कपूर दूसरे प्रतियोगियों के साथ बैठकर खाना खा रहे थे। इस दौरान रिश्तों पर चर्चा हो रही थी। अचानक राम कपूर बोले, 'आपकी जिंदगी में अच्छा वक्त आता है, बुरा वक्त आता है। अगर गलती से किसी एक से कुछ हो जाए और आप उनके बगैर नहीं जा सकते। बच्चों के बगैर नहीं जी सकते तो वक्त सबकुछ ठीक कर देता है। कोई भी कंडीशन ऐसी नहीं, जो डील ब्रेकर ना हो।' इस पर आकांक्षा चमोला गुस्सा हो जाती हैं और कहती हैं, 'सर, गलती से कुछ नहीं होता है। यह एक प्रोसेस है। ऐसा नहीं है कि हमने चाकू किसी पर रखा और गलती से मार दिया।' लेकिन राम कपूर माने नहीं और बोले, 'गलती से हो जाता है।' राम कपूर की बात सुनकर सोशल मीडिया यूजर्स हैरान रह गए। सभी ने आकांक्षा को सपोर्ट किया। चीटिंग वाली बात यूजर्स की राय आकांक्षा की तरह ही थी। सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि धोखे को सही ठहरना गलत है। आकांक्षा चमोला ने 'लॉकअप 2' में ही बताया था कि वह पति और टीवी एक्टर गौरव खन्ना से अलग रह रही हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वह बच्चे नहीं चाहती हैं। ऐसे में वह गौरव को भी बोल चुकी हैं कि वह उन्हें छोड़ सकते हैं। यह खबर फैंस का दिल तोड़ने वाली थी। वहीं कुछ लोग इन बातों को पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं।

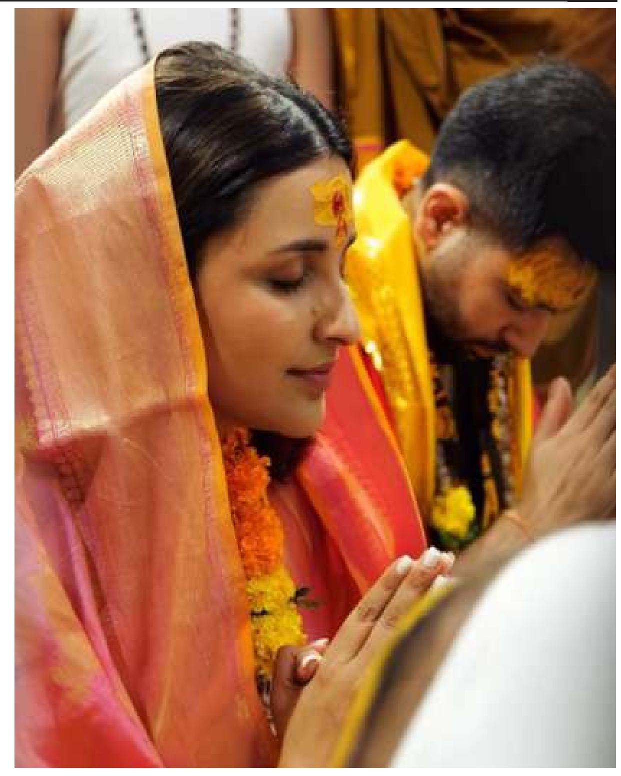

## परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने उज्जैन महाकाल में किए दर्शन, लिया आशीर्वाद

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और उनके पति, राजनेता राघव चड्ढा ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन किए। दोनों ने यहां भगवान शिव की विशेष पूजा–अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। परिणीति ने इस आध्यात्मिक यात्रा का एक खूबसूरत वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इस वीडियो में परिणीति पीच रंग की पारंपरिक साड़ी में सिर ढके हुए नजर आ रही हैं। वहीं राघव चड्ढा पारंपरिक पोशाक के साथ केसरिया शॉल ओढ़े हुए हैं। दोनों मंदिर के पुजारियों के साथ पूरे भक्ति भाव से बैठकर प्रार्थना करते दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के साथ परिणीति ने अपने फैंस के लिए एक बेहद निजी और खास बात साझा की। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं, तब एक शांत सुबह उन्होंने एक शिव स्तुति रिकॉर्ड की थी। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि लोगों को यह इतनी पसंद आएगी। परिणीति ने लिखा, मैंने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक सुबह इस शिव स्तुति को रिकॉर्ड किया था। मुझे अंदाजा नहीं था कि इसे इतना प्यार मिलेगा। मुझे बेहद खुशी है कि यह स्तुति अब आप लोगों की सुबह की प्लेलिस्ट का हिस्सा बन चुकी है, ठीक वैसे ही जैसे कई साल से यह हमारे परिवार की प्लेलिस्ट में शामिल थी।

# शबाना आजमी के परिवार के क्यों आभारी हैं अन्नू कपूर? अभिनेता ने सुनाए पुराने किस्से

हिंदी सिनेमा में अन्नू कपूर ने 44 साल पूरे कर लिए हैं। इस सफर में कई लोगों ने उनका शुरुआती दौर में साथ दिया, उनको वह भूल नहीं पाते हैं। हालिया एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातचीत करते हुए अन्नू कपूर ने अपने बड़े भाई रंजीत कपूर, फिल्ममेकर प्रकाश झा और आजमी परिवार को धन्यवाद दिया, उनके बारे में कई बातें साझा की हैं। एएनआई से बातचीत करते हुए अन्नू कपूर ने कहा, 'सबसे पहले जो लोग मुझे यहां लाए, उनके बारे में बात करूंगा। बड़े भाई रंजीत कपूर का दिल्ली से मुझे मैसेज मिला। वह मैसेज मुझे प्रकाश झा ने दिया था। जब मैंने उन्हें फोन किया, तो उन्होंने कहा, जाओ, रंजीत ने तुम्हें बुलाया है।' अन्नू कपूर ने आगे कहा, 'मेरे बड़े भाई रंजीत कपूर मैं उन्हीं की वजह से यहां आया। निश्चित रूप से, वह एक पुल बने। उन्होंने यहां एक नाटक किया, जिसमें दिग्गज और अब दिवंगत ओम पुरी और मैंने काम किया था। इसका नाम था एन एनिमी ऑफ द पीपल, जिसे हेनरिक इब्सन ने लिखा था। मैं उनका बहुत आभारी हूं और फिर आजमी परिवार का शुक्रगुजार हूं।' अन्नू कपूर ने दिवंगत शौकत कैफी को श्रद्धांजलि दी। उनके शुरुआती दिनों में उनसे मिले प्यार और हौसला–अफजाई को याद किया। वह कहते हैं, 'सबसे पहले मैं स्वर्गीय शौकत कैफी का जिक्र करना चाहूंगा, जिन्होंने मुझे बहुत प्यार और आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुझे हमेशा सहारा भी दिया। मैं उन्हें श्अम्मीश् कहकर बुलाता था। वह शबाना आजमी की मां हैं। आज वह इस दुनिया में नहीं हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मैं शबाना आजमी, उनके पिता और उनके भाई का आभारी हूं।' करियर फ्रंट की बात करें तो अन्नू कपूर कॉमेडी फिल्म उत्तर दा पुत्तर में नजर आएंगे। मेकर्स ने इस फिल्म का पोस्टर जारी किया है। इस फिल्म को रविंदर सिवाच द्वारा निर्देशित किया जाएगा। फिल्म में रुखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्त्याक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 24 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## कन्नड़ एक्ट्रेस शर्मीला मांद्रे ने तमिल प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम संग की सगाई, शेयर की रोमांटिक तस्वीरें

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री शर्मीला मांद्रे ने तमिल मूवी के निर्माता सुधन सुंदरम के साथ सगाई कर ली है। आपको बता दें दोनों ने बेंगलुरु में एक निजी समारोह के दौरान शादी कर ली है। कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री शर्मीला मांद्रे ने तमिल मूवी के निर्माता सुधन सुंदरम के साथ सगाई कर ली है। आपको बता दें दोनों ने बेंगलुरु में एक निजी समारोह के दौरान शादी कर ली है। उनके इस खास दिन पर सिर्फ उनके ही परिवार वाले थे। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर अपनी सगाई की रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें फैंस की तरफ से खूब प्यार मिल रहा है। शर्मिला मांद्रे कन्नड़ सिनेमा की सबसे बेस्ट एक एक्ट्रेस में से एक हैं और उनकी शादी की खबर सुन के उनके फैंस काफी खुश हैं और कमेंट्स में लगातार उनके बधाइयां दे रहे हैं। 25 जून को यह सगाई हुई लेकिन एक्ट्रेस ने दो–तीन दिन बाद ही सबके सामने अपनी तस्वीरों को उजागर किया। शर्मिला ने अपने सोशल मीडिया पे तस्वीरों के साथ बहुत प्यारा कैप्शन भी लिखा है– और बस यूं ही... । दोनों ने रीति–रिवाजों के साथ एक–दूसरे को अंगूठी पहनाई और अपने जीवन की नई शुरुआत की। खबरों के मुताबिक साल के आखिरी दिनों में दोनों शादी करा सकते हैं। 2007 से शर्मिला मांद्रे ने अपने करियर की शुरुआत की रही। उन्होंने अपने करियर में इंडस्ट्री को बहुत ही हिट फिल्में दी हैं। उन्होंने कृष्णा, नवग्रह, गालीपाता 2, पाउडर जैसी फिल्मों में देखा जा चुका है। इसी के साथ वो शर्मिला मांद्रे प्रोडक्शंस नाम की भी एक कंपनी चलाती हैं। सुधन सुंदरम तमिल फिल्म इंडस्ट्री के जाने–माने निर्माता हैं और पैशन स्टूडियोज के संस्थापक भी हैं। उन्होंने अपने बैनर तले सीताकाथी, अंधाघरम, पार्किंग और महाराजा जैसी कई चर्चित फिल्मों का निर्माण किया है। उनकी फिल्म पार्किंग को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म का सम्मान भी मिल चुका है, जिसने उनके प्रोडक्शन हाउस को नई पहचान दिलाई।

# रणदीप हुड्डा ने इसलिए नहीं मानी सलमान खान की ये खास सलाह, बोले–मैंने अपना अलग रास्ता चुना

अलग–अलग तरह के रोल करने के लिए मशहूर एक्टर रणदीप हुड्डा ने सलमान खान से मिली करियर से जुड़ी एक सलाह के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि भले ही उन्हें वह सलाह अच्छी लगी, लेकिन उन्होंने उसे न मानने का फैसला किया। एक्टर ने कहा कि उन्होंने हमेशा एक जैसी ऑन–स्क्रीन इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग–अलग तरह के किरदार निभाना पसंद किया है। द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बात करते हुए रणदीप ने बताया कि सलमान खान और उनके पिता दोनों ने ही उन्हें ऐसे रोल करने के लिए प्रोत्साहित किया था, जिनमें उन्हें एक हीरो के तौर पर दिखाया जाए। उनके अनुसार, उनका मानना था कि एक जैसी स्क्रीन पर्सनैलिटी बनाए रखने और एक ही तरह की फिल्में चुनने से उन्हें एक मजबूत इमेज बनाने में मदद मिलेगी। रणदीप हुड्डा ने याद करते हुए कहा कि सलमान की मुख्य सलाह यही थी कि मैं ऐसे रोल न लूं जिनमें मैं हीरो जैसा न दिखूं। यह अच्छी सलाह है, मेरे पिता भी यही कहते हैं। उन्होंने कहा कि तुम्हें एक जैसा दिखना चाहिए और एक ही तरह के रोल करने चाहिए, जिससे तुम्हें एक इमेज बनाने और स्टार बनने में मदद मिलेगी। हालांकि, रणदीप ने बताया कि उन्होंने जान–बूझकर एक अलग रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि मैंने उस सलाह को नहीं माना क्योंकि मुझे हमेशा से यही लगा है कि बार–बार एक ही चीज करना उबाऊ होता है। ऐसा काम मैं कभी नहीं करना चाहता था। अपने एक्टिंग के तरीके के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब लोग कहते हैं कि उनकी नकल आसानी से नहीं की जा सकती, तो उन्हें यह एक तारीफ लगती है। उन्होंने बताया कि वे हर किरदार के हिसाब से अपनी आवाज, बोलने की रफ्तार और डायलॉग बोलने के अंदाज में जान–बूझकर बदलाव करते हैं, जिससे हर परफॉर्मेंस अलग और खास बनती है। यह मानते हुए कि एक जानी–पहचानी स्क्रीन इमेज एक्टर्स को स्टार बनने में मदद कर सकती है, रणदीप ने कहा कि उनका ध्यान हमेशा इस बात पर रहा है कि वे कई साल तक अपनी परफॉर्मेंस को नया और ताजा बनाए रखें, न कि किसी तय फॉर्मूले पर निर्भर रहें। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अलग रास्ता चुनने का कोई अफसोस नहीं है, हालांकि भविष्य में जो भी होगा, उसके लिए वे तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह कोई बुरी बात है। लेकिन आप कई साल तक अपनी परफॉर्मेंस को नया कैसे बनाए रखेंगे? क्या आप अपने किरदारों को बिना सोचे–समझे या बिना किसी खास कोशिश के निभाने लगेंगे? क्या जिम ही एकमात्र ऐसी जगह रह जाएगी जहां आप प्रैक्टिस करेंगे? इसलिए मैंने उनकी सलाह नहीं मानी। हालांकि, कोई नहीं जानता कि भविष्य में क्या होगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्मों में श्रद्धा कपूर के साथ 'ईठा' फिल्म शामिल है। वहीं रणदीप हुड्डा और सलमान खान ने साथ में किक (2014), सुल्तान (2016) और राधे (2021) जैसी फिल्में की हैं।

## छोले के साथ बेहद टेस्टी लगता है अमृतसरी कुलचा, तवे पर बनाने के लिए फॉलो करें ये रेसिपी

अगर आप भी लंच में कुछ चटपटा बनाकर खाना चाहते हैं तो छोलों के साथ ट्राई करें अमृतसरी कुलचा की ये टेस्टी रेसिपी। इस रेसिपी की खासियत यह है कि यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए आपको तंदूर की जरूरत भी नहीं पड़ती है। आप इन कुलचों को तवे पर भी तैयार कर सकते हैं। तो आइए बिना देर किए झटपट जान लेते हैं क्या है अमृतसरी कुलचा बनाने की रेसिपी।

अमृतसरी कुलचा बनाने के लिए सामग्री–

कुलचे के डो के लिए–

–1 किलो मैदा

–400 मिली. पानी

–एक चुटकी नमक

–100 मिली कनोला ऑयल

फीलिंग बनाने के लिए–

–1 कप प्याज कटा हुआ

–1/2 किलो आलू

–2 छोटे चम्मच साबुत धनिया रोस्ट और क्रश्ड किया हुआ

–2 छोटे चम्मच अदरक टुकड़ों में कटा हुआ

–थोड़ा सा हरा धनिया टुकड़ों में कटा हुआ

–1 हरी मिर्च कटी हुई

–1 टेबल स्पून अनारदाना क्रश्ड किया हुआ

–नींबू का रस

अमृतसरी कुलचा बनाने का तरीका–

अमृतसरी कुलचा बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में मैदा और नमक डालकर उसका आटा गूंथकर उसे गीले कपड़े से ढककर एक घंटे के लिए अलग रख दें। अब कुलचे की फीलिंग तैयार करने के लिए कनोला ऑयल को छोड़कर सभी सामग्री अच्छी तरह मिलाकर सीजनिंग चेक कर लें। अब अपनी हथेलियों और उगंलियों पर तेल लगाकर आटे की छोटी–छोटी लोईयां बना लें। इन लोईयों में फीलिंग भरकर उसे पतला करते हुए बेलन की मदद से इसके किनारों को पतला कर लें। अब एक नॉनस्टिक पैन गर्म करके उसके किनारों पर कनोला ऑयल लगाते हुए कुल्चे को दोनों तरफ से अच्छी तरह सेक लें। आपका टेस्टी अमृतसरी कुलचा बनकर तैयार है।

## बच्चों के लिए बनाएं टेस्टी मसाला पराठा, दही के साथ लगते हैं लाजवाब

बच्चों को हर दो से तीन घंटे में कुछ ना कुछ खाने की जरूरत होती है। क्योंकि वो ज्यादा एनर्जी वेस्ट करते हैं और भूख जल्दी लग जाती है। ऐसे में उन्हें पोषक तत्वों से भरपूर चीजें देने के साथ ही कुछ ऐसा फूड खिलाना चाहिए जो उनके पेट को देर तक भरा रखे। अगर बच्चे शाम के नाश्ते में बाहर का चटपटा

खाने की डिमांड करते हैं तो उन्हें मसाला पराठा फटाफट बनाकर खिला सकते हैं। साथ ही इसे बनाने में ज्यादा वक्त भी नहीं लगता। तो चलिए जानें कैसे फटाफट आप मसाला पराठा बना सकती है। आप चाहें तो इसे वीकेंड पर ब्रेकफास्ट में भी रेडी कर सकती हैं। बच्चे–बड़े सब इसे दही या रायता के साथ खाना पसंद करेंगे।

मसाला पराठा बनाने की सामग्री

गेहूं का आटा 1 कप

बारीक कटी धनिया दो से तीन चम्मच

बारीक कटी हरी मिर्च एक

चाट मसाला एक चम्मच

भुनी धनिया का पाउडर

भुना जीरा पाउडर

थोड़ी सी लाल मिर्च

कलौंजी या मंगरैल

मसाला पराठा बनाने की विधि

सबसे पहले पराठे के लिए आटा गूंथ लें। अब इस आटे की लोई बनाकर रोटी बेल लें। अब इस बेली रोटी पर घी या बटर लगाएं। फिर इसके ऊपर मसालों को छिड़कें। कलौंजी, धनिया पत्ती, लाल मिर्च, चाट मसाला, थोड़ा सा नमक, भुना जीरा, भुनी धनिया का पाउडर छिड़ककर चम्मच से फैला दें। अब इस रोटी के एक चौथाई हिस्से पर कट लगाएं और इसे पराठे के ट्राएंगल शेप में मोड़ दें और बेल लें। अब तवे को गर्म करें और पराठे को डालें। जब ये सिंकने लगे तो घी लगाकर दोनों तरफ से खूब दबा–दबाकर सेंक लें। बस तैयार है टेस्टी मसाला पराठा। आप चाहें तो इसमे मसालों को बढ़ा या घटा सकती हैं बच्चों की पसंद के मुताबिख बस तैयार गर्मागर्म पराठों को दही, रायता या चटनी के साथ सर्व करें। वैसे बच्चे इसे ऐसे ही खाना भी खूब पसंद करते हैं।

## बच्चे की दूध की बोतल ऐसे करें साफ, वरना बढ़ सकता है इंफेक्शन का खतरा

नवजात शिशु के संपूर्ण विकास के लिए उसकी मां का दूध ही सर्वोत्तम आहार माना गया है। लेकिन अगर किसी वजह से बच्चे के लिए मां का दूध पूरा नहीं हो पाता तो माएं उसे बोतल से दूध पिलाना शुरू कर देती हैं। लेकिन अगर बच्चे को फीड करवाने के बाद बोतल को सही तरीके से साफ और स्टेरलाइज ना किया जाए तो इससे बच्चे के संक्रमित होकर बीमार होने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि नवजात शिशु बाकी लोगों की तुलना में रोगाणु, बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चे को बोतल से फीड करवा रही हैं तो उसे सेहतमंद बनाए रखने के लिए जान लें क्या है उसकी दूध की बोतल को साफ करने का सही तरीका।

गर्म पानी से धोएं दूध की बोतल–

इस उपाय को अपनाने के लिए सबसे पहले बच्चे की बोतल को खोलकर अच्छी तरह साफ करने के बाद एक बड़े पैन में पानी डालकर उसमें 5 मिनट तक उबलने के लिए रख दें। इस बात का ध्यान रखें कि बोतल के सभी हिस्से पानी में अच्छी तरह से डूब जाएं। इसके बाद पानी ठंडा होने पर बोतल के हिस्सों को निकाल लें। अब इन्हें दूसरे ठंडे पानी से धो लें और बोतल के हिस्सों को हवा में सूखने दें।

ब्लीच की लें मदद–

बच्चे की दूध की बोतल को डिसइंफेक्ट करने का ब्लीच भी एक असरदार उपाय हो सकता है। इस उपाय को करने के लिए आप सबसे पहले 10–12 कप पानी में 2 चम्मच ब्लीच मिलाएं। अब बोतल को खोलकर उसके सभी हिस्सों को ब्लीच के पानी में 5 मिनट तक डाल दें। ध्यान रखें, इसके बाद बोतल को सामान्य पानी से साफ न करें वरना बोतल में कीटाणु पनप सकते हैं। बोतल को यूज करने से पहले उसे हवा में सूखने दें।

बचे दूध को बोतल में ही रखा न छोड़ें–नवजात शिशु को बोतल से दूध पिलाने के बाद बचे हुए दूध को कभी भी बोतल में ऐसे ही ना छोड़ें। बच्चे को हर बार दूध पिलाते ही तुरंत बचे हुए दूध को बोतल से निकालकर धो दें।

ब्रश का उपयोग–

आप बच्चे की बोतल को साफ करने के लिए उसके सभी हिस्सों को गर्म और साबुन के पानी से भी धो सकते हैं। इसके लिए आप ब्रश की सहायता भी ले सकती हैं। बोतल धोने के बाद उन्हें हवा में सूखने के लिए छोड़ दें।

## 40 के बाद ये आदतें बिगाड़ देती हैं पैरों की सेहत, होने लगती हैं समस्याएं

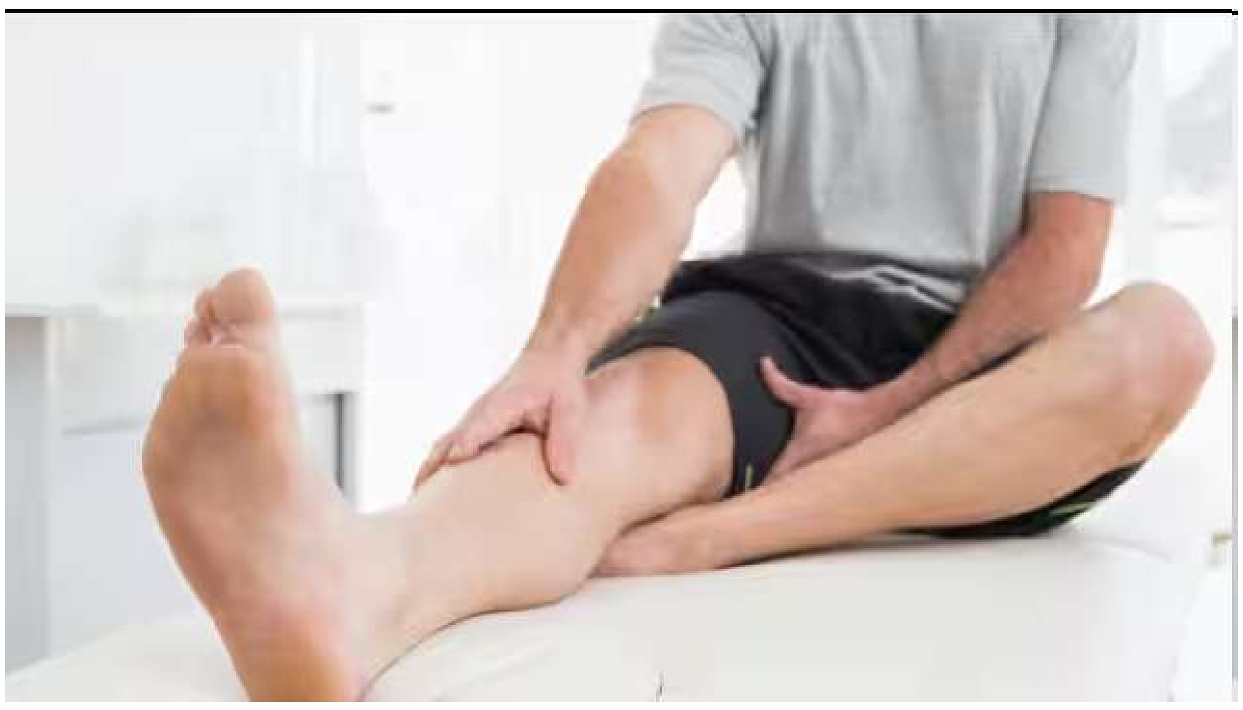

40 के बाद फिजिकल हेल्थ का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। क्योंकि ज्यादातर बीमारियों का अटैक इसी एज में होना शुरू हो जाता है। हाई बीपी और डायबिटीज के साथ ही हड्डियों की डेंसिटी कम होने लगती है। जिसकी वजह से ज्वाइंट्स में दर्द होने लगता है। कई बार तो फिटनेस रूटीन को स्ट्रिक्टली फॉलो करने के बाद भी पैरों में दर्द की शिकायत रहती है। खासतौर पर ये समस्या 40 की उम्र पार करने के दौरान ये दर्द बढ़ जाता है। जिसकी वजह फिटिनेस रूटीन की कुछ गलत आदते हैं। जिन्हें छोड़ देने में ही भलाई है।

लेग्स की ओवरट्रेनिंग

बहुत सारे फिटनेस फ्रीक लोग पैरों की एक्सरसाइज पर ज्यादा ध्यान देते हैं और ओवर ट्रेनिंग करने लगते हैं। जिसकी वजह से पैरों में थकान, कमजोरी, चोट और मांसपेशियों में खिंचाव हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि अपने शरीर की सुनें और चोट लगने या दर्द होने पर पैरों को राहत दें। नहीं तो ये समस्या उम्र के साथ बढ़ सकती है।

स्ट्रेचिंग ना करना

फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए कॉर्डियो और वेट लिफ्टिंग सबसे अहम एक्सरसाइज होती है। लेकिन फिट रहने के लिए और एक्सरसाइज शुरू करने से पहले स्ट्रेचिंग सबसे जरूरी है। ये बिल्कुल बेसिक एक्सरसाइज होती है जिसे अधिकतर लोग स्किप कर देते हैं और हल्के में लेते हैं। लेकिन स्टडी के मुताबिक स्ट्रेचिंग ना केवल चोट और मसल्स में खिंचाव से बचाता है बल्कि शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी को मेंटेन करता है।

कठिन एक्सरसाइज करना

फिटनेस को मेंटन करने के लिए रनिंग बहुत अच्छी एक्सरसाइज है। लेकिन 40 के बाद हाई इंटेसिव एक्सरसाइज करने से बचें। इसमे रनिंग भी शामिल है। दौड़ने से पैरों और घुटनों पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। इसलिए रनिंग के लिए अच्छे रनिंग शूज के साथ ही अच्छे जॉगिंग ट्रैक की भी जरूरत होती है। इसे इग्नोर करना पैरों की सेहत पर असर डालता है।

ना करें पैरों के दर्द को इग्नोर

अगर शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द हो रहा है तो उसे इग्नोर ना करें। पैरों में दर्द है तो वर्कआउट को छोड़कर किसी प्रोफेशनल से सलाह लें और इस दर्द को ठीक करने का काम करें। मसल्स की चोट को ठीक करना जरूरी है नहीं तो ये फ्यूजर में दर्द को बढ़ा सकती है।

## क्या आपको भी है यूरिन रोककर बैठे रहने की आदत ? नुकसान जान लें वरना पछताएंगे

क्या आप भी ट्रेवलिंग के दौरान, ऑफिस मीटिंग या किसी और वजह से घंटों अपना यूरिन रोककर बैठे रहते हैं? अगर जवाब हां है तो अपनी यूरिन रोककर बैठे रहने की आदत तुरंत बदल डालिए। आपके ऐसा करने से आप अनजाने में ही सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को न्यौता दे रहे होते हैं। आइए जानते हैं घंटों यूरिन रोककर बैठे रहने से सेहत को होते हैं क्या नुकसान।

पेशाब रोककर बैठे रहने से होते हैं ये नुकसान–

–व्यक्ति के ब्लैडर में कई अपशिष्ट पदार्थ मौजूद होते हैं, जो अगर यूरिन की मदद से समय पर शरीर से बाहर नहीं निकलते तो किडनी और ब्लैडर को डैमेज कर सकते हैं। ज्यादा देर तक यूरिन रोककर बैठने पर थैली पर प्रेशर पड़ता है जिससे ब्लैडर की मांसपेशियां कमजोर होती हैं, कई बार तो ये फट भी जाती हैं।

–पेशाब को देर तक रोककर बैठने से व्यक्ति को यूटीआई इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ सकता है। पेशाब शरीर का डिटॉक्सीफाइंग प्रोसेस है लेकिन जब व्यक्ति इसे रोकता है तो ये बैड बैक्टीरिया को शरीर में बढ़ाने का काम करता है। जिसकी वजह से शरीर का पीएच बैलेंस बिगड़ जाता है और उसे यूटीआई इंफेक्शन की समस्या परेशान करने लगती है।

–देर तक पेशाब रोकने से किडनी की सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। अधिक समय तक पेशाब रोकने से शरीर का फिल्टर प्रोसेस खराब हो जाता है और व्यक्ति को किडनी से जुड़ी समस्याएं जैसे– पीठ दर्द, पेट के निचले हिस्से और पसलियों में दर्द होना,त्वचा में खुजली, सूखापन होने लगती हैं।

–लंबे समय तक पेशाब रोकने से आपको यूरिनरी रिटेंशन की समस्या भी परेशान कर सकती है। यह वह स्थिति होती है जब मूत्राशय पूरी तरह से खाली नहीं हो पाता और पीड़ित को दर्द और असुविधा के साथ पेशाब करने में परेशानी होने लगती है।

–ज्यादा देर तक पेशाब रोककर बैठे रहने से पेशाब में जलन और दर्द महसूस हो सकता है।

–पेशाब को ज्यादा देर रोककर रखने से मूत्राशय की दिवारे कमजोर होने लगती है। ऐसा लंबे समय तक होने पर ब्लैडर डैमेज होने का खतरा बना रहता है। जो बाद में यूरिन लीक होने का कारण भी बन सकता है।

## घर पर बनाएं बादाम-पिस्ता बिस्कुट, खाकर आ जाएगा मजा

बादाम–पिस्ता बिस्कुट को चाय या फिर कॉफी के साथ खाया जा सकता है। यह बिस्कुट बिना अंडे के तैयार होते हैं इसलिए हर कोई इनका लुत्फ उठा सकता है। इसके अलावा ये बिस्कुट मैदा की जगह आटे से तैयार होते हैं। ऐसे में ये और भी ज्यादा हेल्दी हैं। आप एक ही बार में खूब सारे बिस्कुट बना सकते हैं और फिर इन्हें एयरटाइट कंटेनर में कुछ हफ्तों के लिए स्टोर कर सकते हैं। यहां जानिए इन बिस्कुट की रेसिपी–

बिस्कुट बनाने के लिए आपको चाहिए...

2 कप गेहूं का आटा

2/4 कप रवा

2/4 कप ओट्स का आटा

2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर

1 कप गुड़

7–10 बड़े चम्मच घी

10–15 बड़े चम्मच दूध

2/4 कप कटे हुए बादाम और पिस्ता

2 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर

कैसे बनाएं : इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में गुड़, घी और दूध को अच्छे से उबाल लें। ताकी गुड़ पिघल जाए। फिर एक बर्तन में गेहूं का आटा, रवा और ओट्स का आटा लें। फिर इसमें इलायची पाउडर, बारीक कटे बादाम और पिस्ता, बेकिंग पाउडर डालें। इसमें गुड़ का घोल भी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब हाथों पर घी लगाएं और इस मिश्रण के छोटे–छोटे टुकड़े लें और फिर गोल करें। इसे चपटा करें और फिर हल्के हाथों से कोई शेप दें। अप एक ट्रे पर बटर पेपर बिछाएं और सभी बिस्कुट इसी पर रखें। अब बिस्कुट को 180 डिग्री सेल्सियस पर 20 मिनट के लिए पहले से गरम ओवन में बेक करें।

## संक्षिप्त

### एशियाड के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का एलान हरमनप्रीत कौर ही संभालेंगी कप्तानी

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की महिला चयन समिति ने सितंबर 2026 में जापान के आइची–नागोया में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी। उसने 2023 में चीन के हांगझोउ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो हाल ही में महिला टी20 विश्वकप का हिस्सा रही थीं। केवल यास्तिका भाटिया को स्क्वॉड से बाहर किया गया है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी जगह दी गई है। बल्लेबाजी विभाग में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष शामिल हैं। जी. कमलिनी को दूसरे विकेटकीपर के रूप में टीम में जगह मिली है। गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव और भारती फुलमाली संभालेंगी। वहीं श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल और नंदनी शर्मा टीम को अतिरिक्त मजबूती देंगी। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि श्रेयंका पाटिल का चयन उनकी फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन रहेगा। एशियन गेम्स टीम के एलान से पहले भारतीय महिला टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में बड़ा झटका लगा। लॉर्ड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि भारतीय टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। भारत ने हरमनप्रीत कौर (27 गेंदों में 56 रन), स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की उपयोगी पारियों की मदद से 170ध्4 का स्कोर बनाया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने एलिस पेरी और एशले गार्डनर के नाबाद अर्धशतकों की बदौलत 19वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

### बाजार में फिर बिकवाली हावी, सेंसेक्स- निफ्टी लाल में लाल निशान पर हो रहा कारोबार

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले कारोबारी सत्र में आई गिरावट के बाद, मंगलवार (30 जून 2026) को भी बाजार में बिकवाली का दबाव हावी दिखाई दे रहा है। हालांकि, सुबह के वक्त बाजार ने सकारात्मक शुरुआत की थी और प्रमुख सूचकांक हरे निशान में खुले थे, लेकिन यह तेजी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। कुछ ही देर में यह बढ़त गायब हो गई और सेंसेक्स–निफ्टी फिसलकर लाल निशान में कारोबार करने लगे। मंगलवार सुबह 9रू28 बजे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 108.51 अंक (0.14प्रतिशत) का गोता लगाकर 76,619.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 46.91 अंक (0.20:) फिसलकर 23,899.35 के स्तर पर आ गया। शेयर बाजार की इस नरमी का असर भारतीय मुद्रा पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। पिछले सत्र में 94.54 के स्तर पर बंद होने वाला रुपया, मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मामूली रूप से कमजोर होकर 94.57 पर खुला। बाजार में इस अस्थिरता की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में लगातार बदल रहे भू–राजनीतिक हालात हैं। इन अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों ने निवेशकों के मन में अनिश्चितता पैदा कर दी है। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, शेयर बाजार इस समय श्सावध ानी के साथ आशावादीश रुख अपना रहा है। दरअसल, निवेशक कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले यह देखना चाहते हैं कि पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में क्या ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। शेयर बाजार के जानकारों और निवेशकों की नजरें इस समय कतर में चल रही अमेरिका और ईरान के बीच महत्वपूर्ण बातचीत के नतीजों पर टिकी हुई हैं। इन वार्ताओं के शुरुआती दौर की चर्चाएं और उनके परिणाम ही आगे बाजार की धारणा और दिशा तय करेंगे। अगर कतर से इन दोनों देशों के बीच कोई सकारात्मक सहमति की खबर आती है, तो बाजार के सेंटीमेंट में सुधार देखने को मिल सकता है। मंगलवार का शुरुआती कारोबारी सत्र निवेशकों के लिए बेहद सतर्क रहने का स्पष्ट संकेत है। भू–राजनीतिक तनाव और कतर की वार्ताओं के नतीजे जब तक पूरी तरह साफ नहीं हो जाते, बाजार में यह अस्थिरता और उतार–चढ़ाव का माहौल बने रहने की आशंका है।

### उद्योग जगत ने ईवी नीति को सराहा, गिग वर्कर्स ने भी किया स्वागत

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रदूषण की मार झेल रही देश की राजधानी दिल्ली को स्वच्छ और हरा–भरा बनाने के लिए दिल्ली कैबिनेट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने अपनी नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 (EV Policy 2.0) को मंजूरी दे दी है। दिल्ली सरकार की नई ईवी नीति 1 जुलाई से लागू होने जा रही है। इस नीति का मुख्य मकसद 31 मार्च 2030 तक दिल्ली को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त बनाना है। इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार अगले चार वर्षों में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये का भारी–भरकम निवेश करेगी। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के दिग्गजों ने इस नीति का दिल खोलकर स्वागत किया है। उनका मानना है कि यदि दिल्ली इस बदलाव में सफल रहती है, तो यह बाकी पूरे देश के लिए एक मिसाल बन जाएगी। हालांकि, डिलीवरी और गिग वर्कर्स ने इस बदलाव के बीच अपनी आजीविका को लेकर चिंता भी जताई है।

# लक्षय और उज्ज्वल ने कैसे बदली भारतीय रोइंग की तकदीर?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय सेना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उसके जवान सिर्फ सीमाओं की रक्षा ही नहीं, बल्कि खेलों के मैदान में भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं। 27 जून को स्विट्जरलैंड के लुसर्न में आयोजित वर्ल्ड रोइंग कप स्टेज–3 में हवलदार लक्षय और हवलदार उज्ज्वल कुमार सिंह की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए भारत को इस प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। दोनों ने लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा में छह मिनट 26.09 सेकेंड का समय निकालकर दुनिया की दिग्गज टीमों को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि ा इसलिए भी खास रही क्योंकि प्रतियोगिता से पहले भारतीय टीम को वीजा संबंधी बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी का मुकाबला नीदरलैंड्स और हांगकांग जैसी मजबूत टीमों से था। रेस बेहद रोमांचक रही और अंतिम क्षणों तक विजेता तय नहीं हो पाया। आखिर में लक्षय और उज्ज्वल ने शानदार तालमेल और संयम दिखाते हुए बेहद मामूली अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। यह वर्ल्ड रोइंग कप के इतिहास में भारत का पहला स्वर्ण पदक है।

वीजा संकट के बावजूद नहीं टूटा हौसला इस ऐतिहासिक सफलता की कहानी आसान नहीं थी। भारतीय टीम बुल्गारिया के प्लोवदिव में होने वाले वर्ल्ड कप स्टेज–2 में हिस्सा ही नहीं ले सकी क्योंकि खिलाड़ियों के पासपोर्ट बुल्गारियाई दूतावास में अटक गए थे। इसके बाद स्विट्जरलैंड का वीजा हासिल करने के लिए टीम के पास केवल पांच दिन बचे थे। विदेश मंत्रालय और खेल मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद समय रहते वीजा मिला और टीम स्विट्जरलैंड पहुंच सकी। बिना किसी अंतरराष्ट्रीय रेस के सीधे वर्ल्ड कप में उतरने के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया।

लक्षय और उज्ज्वल ने शुरुआती दौर से ही ऊर्जा बचाने की रणनीति अपनाई और आसानी से ए–फाइनल में जगह बना ली। फाइनल में जहां नीदरलैंड्स और हांगकांग की जोड़ियां प्रति मिनट करीब 40 स्ट्रोक की गति से नाव चला रही थीं, वहीं भारतीय जोड़ी ने 36 स्ट्रोक प्रति मिनट की संतुलित लय बनाए रखी।

यही रणनीति अंत में उनकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुई और उन्होंने अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखकर स्वर्ण पदक जीत लिया। वर्ल्ड रोइंग कप के इतिहास में भारत इससे पहले कभी स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया था। देश की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियां 2009 में महिला लाइटवेट क्वाड्रपल स्कल्स और 2019 में पैरा रोइंग स्पर्धाओं के कांस्य पदक तक सीमित थीं। ऐसे में लक्षय और उज्ज्वल की यह जीत भारतीय रोइंग के लिए मील का पत्थर मानी जा रही है। ओलंपिक स्तर पर भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दत्तू भोखनाल ने 2016 रियो ओलंपिक में किया था, जहां वह पुरुष सिंगल स्कल्स के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। एशियाई खेलों में भारत ने 2010 और 2018 में दो स्वर्ण पदक जीते हैं, जबकि 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में पांच पदक हासिल किए थे। इसके बाद 2025 एशियन रोइंग चौंपियनशिप में भारत ने 10 पदक जीतकर अपनी ताकत दिखाई थी। उज्ज्वल कुमार सिंह उस टीम का भी हिस्सा थे और उन्होंने रजत पदक जीता था। लेकिन लुसर्न में मिली यह जीत इसलिए अलग है क्योंकि पहली बार भारत ने विश्व मंच पर यूरोपीय देशों को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता है। रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बालाजी मराडापा का मानना है कि यह स्वर्ण पदक भारतीय रोइंग के लिए मानसिक बदलाव लेकर आएगा। उनके मुताबिक, एशिया में भारत पहले भी पदक जीतता रहा है, लेकिन यूरोपीय टीमों को हराने से अब भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ेगा। इससे भविष्य में विश्व स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जगी है।

# विंबलडन में अजीबोगरीब ड्रेस पहनकर खेलने उतरीं नाओमी ओसाका! किस फिल्म से था प्रेरित ?

लंदन,एजेंसी। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में अपने खेल के साथ–साथ अनोखे अंदाज से भी सभी का ध्यान खींचा। ओसाका कोर्ट पर किल बिल फिल्म से प्रेरित सफेद किमोनो पहनकर उतरीं, जो उनकी जापानी संस्कृति को समर्पित था। यह खास पोशाक पारंपरिक जापानी शिरोमुकु शादी की पोशाक और एक वेडिंग ड्रेस के अपसाइकल्ड कपड़ों से तैयार की गई थी। फैशन स्टेटमेंट के बाद ओसाका ने कोर्ट पर भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फ्रांस की एल्सा जैकमो को 6–1, 7–5 से हराकर विंबलडन के दूसरे दौर में जगह बनाई। जीत के बाद ओसाका ने बताया कि उनका किमोनो उनकी जापानी विरासत और निर्देशक क्वेंटिन टोरेंटीनो की मशहूर फिल्म किल बिल से प्रेरित था। उन्होंने कहा, किल बिल मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है और मुझे लूसी लियू का किरदार ओ–रेन इशी बहुत पसंद है, जो सफेद किमोनो पहनती हैं। मैं कभी–कभी वीडियो गेम के किरदार जैसा महसूस करना चाहती हूं। कोर्ट पर खेलते समय मैं खुद नहीं बनना चाहती और उस किरदार की ऊर्जा को अपने अंदर महसूस करने की कोशिश करती हूं। ओसाका ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में अपने अनोखे फैशन के लिए जानी जाती हैं। इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में वह तितलियों से सजी बड़ी टोपी, घूंघट और छतरी के साथ कोर्ट पर पहुंची थीं। वहीं फ्रेंच ओपन (रोलां गैरो) में उन्होंने पहले काले रंग का कॉर्सेट और लंबी स्कर्ट पहनी, जिसके बाद उसके नीचे मौजूद नाइकी की डिजाइन की गई सुनहरी ड्रेस में नजर आई थीं।

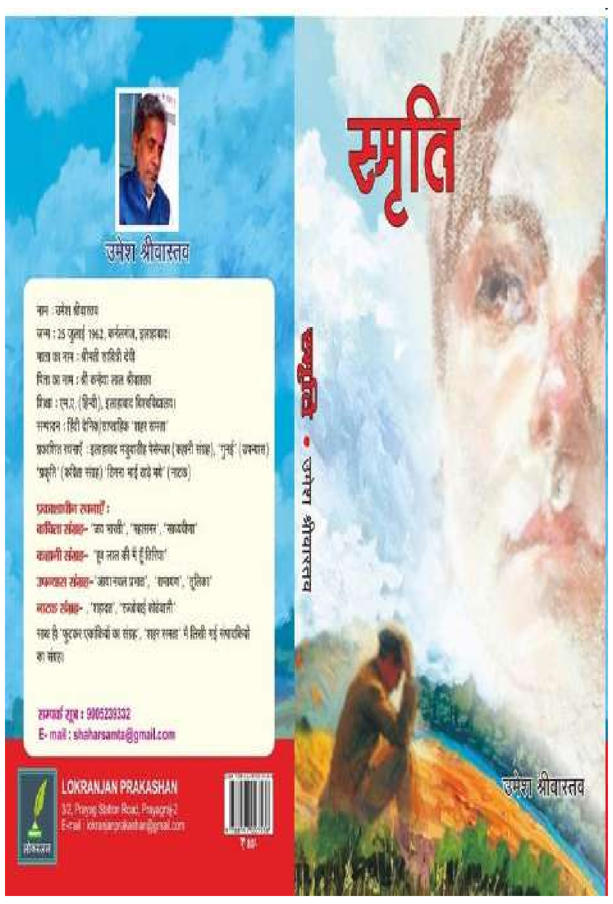


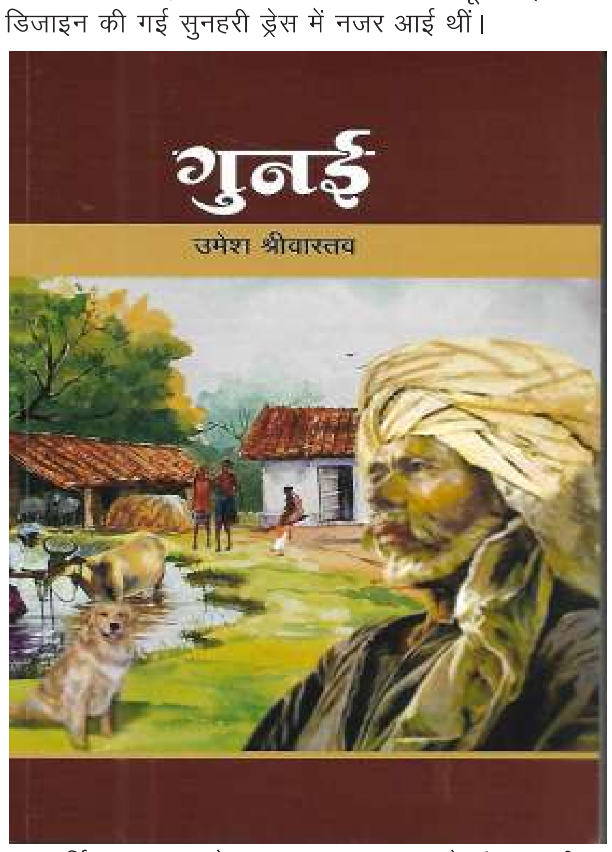


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

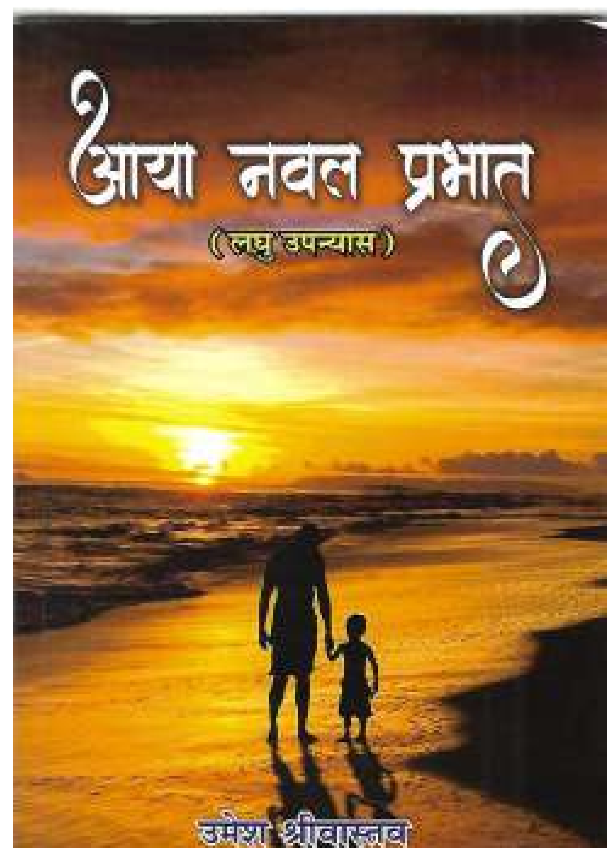


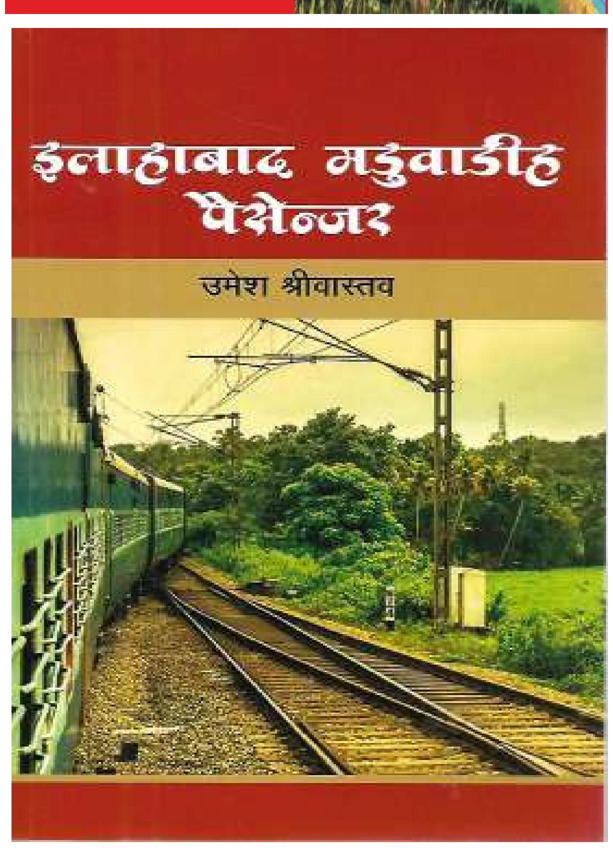


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

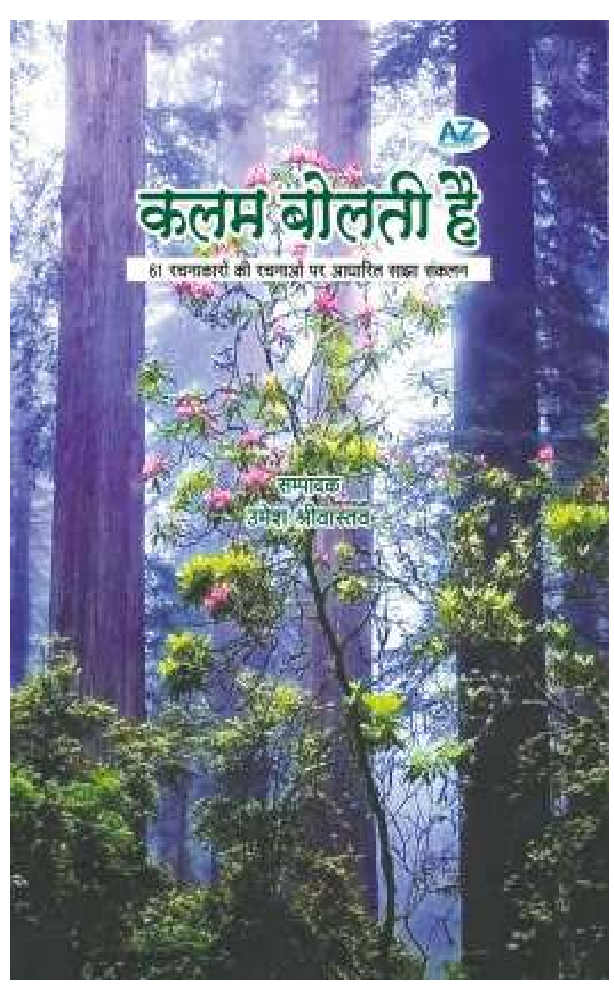


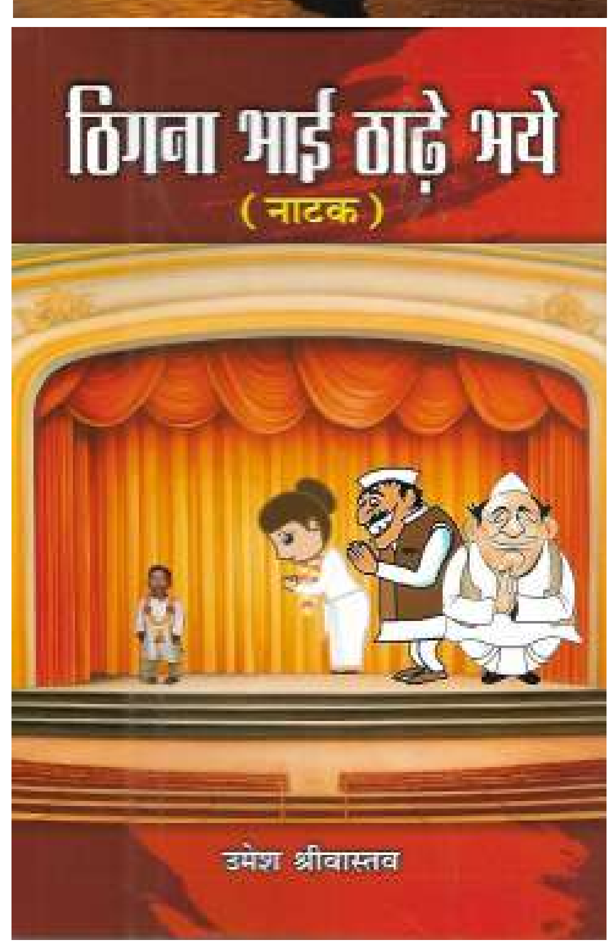


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### कौन है कीथ सोंडरलिंग?: बनेंगे अमेरिका के नए श्रम मंत्री, स्थायी नियुक्ति की तैयारी तेज, ट्रंप ने किया एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी टीम में बड़ा बदलाव करते हुए कीथ

सोंडरलिंग को श्रम मंत्री के पद के लिए नामित करने की घोषणा की है। अब वो अमेरिका में लेबर सचिव होंगे। दरअसल वहां के मंत्रियों को सचिव ही कहा जाता है। फिलहाल कार्यवाहक श्रम मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे सोंडरलिंग को स्थायी रूप से इस पद पर नियुक्त करने के लिए अब सीनेट की मंजूरी की जरूरत होगी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब पूर्व श्रम मंत्री लोरी शावेज–डीरेमर के इस्तीफे के बाद यह पद खाली पड़ा था। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कीथ सोंडरलिंग के नाम की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में मेहनतकश अमेरिकी नागरिकों के लिए काम किया है। ट्रंप ने विश्वास जताया कि सोंडरलिंग नई जिम्मेदारी में भी शानदार काम करेंगे। सोंडरलिंग अप्रैल से कार्यवाहक श्रम मंत्री के रूप में विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं और इससे पहले भी ट्रंप प्रशासन में कई अहम पदों पर काम कर चुके हैं। उनके अनुभव को देखते हुए ट्रंप ने उन्हें स्थायी श्रम मंत्री पद के लिए नामित किया है। पूर्व श्रम मंत्री लोरी शावेज–डीरेमर ने अप्रैल में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके खिलाफ सत्ता के दुरुपयोग और विभागीय आचरण से जुड़े कई आरोप सामने आए थे। रिपोर्टों के मुताबिक, श्रम विभाग के महानिरीक्षक ने आरोपों की जांच शुरू की थी। आरोप था कि वह और उनके करीबी सहयोगी युवा कर्मचारियों से निजी काम कराते थे। उन पर सरकारी दौरों का इस्तेमाल निजी कारणों के लिए करने और कार्यालय में शराब पीने जैसे आरोप भी लगे थे। हालांकि, शावेज–डीरेमर ने सभी आरोपों से इनकार किया है। क्या सीनेट की मंजूरी मिलना आसान होगा? अमेरिका में किसी भी कैबिनेट मंत्री की नियुक्ति के लिए सीनेट की मंजूरी जरूरी होती है। कीथ सोंडरलिंग इससे पहले उप श्रम मंत्री के पद के लिए रिपब्लिकन बहुमत वाली सीनेट से 53–46 मतों से मंजूरी हासिल कर चुके हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उनके पास प्रशासनिक अनुभव होने के कारण इस बार भी मंजूरी मिलने की संभावना मजबूत है। हालांकि, अंतिम फैसला सीनेट की सुनवाई और मतदान के बाद ही होगा। ट्रंप प्रशासन के लिए यह नियुक्ति कितनी अहम है? श्रम मंत्रालय अमेरिका में रोजगार, श्रमिक अधिकार, वेतन, कार्यस्थल सुरक्षा और श्रम नीतियों से जुड़े मामलों का प्रमुख विभाग है। ऐसे में ट्रंप प्रशासन के लिए इस पद पर एक अनुभवी और भरोसेमंद चेहरा नियुक्त करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सोंडरलिंग की नियुक्ति से ट्रंप प्रशासन श्रम नीतियों और रोजगार सुधारों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा।

### भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर बड़ी प्रगति, 2030 तक 500 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते (इंटरिम ट्रेड पैक्ट) को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। अमेरिका–भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के नेतृत्व सम्मेलन में बताया गया कि हाल ही में भारत दौरे पर आए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के साथ हुई बातचीत सकारात्मक रही और समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में मजबूत आधार तैयार हुआ है। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और सीईओ मुकेश आघी ने सम्मेलन में कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जैमिसन ली ग्रीयर के भारत दौरे के दौरान व्यापार समझौते पर काफी प्रगति हुई। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। उनके अनुसार, दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। वॉशिंगटन में आयोजित नौंवी यूएसआईएसपीएफ लीडरशिप समिट 2026 में फॉर्च्यून–500 कंपनियों के प्रमुख, वरिष्ठ नीति–निर्माता और राजनयिक शामिल हुए। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारत और अमेरिका के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने की रणनीति तैयार करना था। यूएसआईएसपीएफ के चेयरमैन जॉन टी. चौंबर्स ने कहा कि दोनों देशों को पारंपरिक सोच से बाहर निकलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार, रक्षा, सेमीकंडक्टर और तकनीक जैसे क्षेत्रों को अलग–अलग नहीं, बल्कि एक साझा रणनीति के तहत आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि यदि दोनों देश मिलकर व्यापक तकनीकी और आर्थिक साझेदारी विकसित करें, तो इससे भारत की जीडीपी में हर साल 3 से 4 प्रतिशत और अमेरिका की जीडीपी में 1 से 2 प्रतिशत तक अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है। उन्होंने इसे दोनों देशों के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया। कई अहम क्षेत्रों पर हुई चर्चा इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण खनिजों, आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की मजबूती, उभरती तकनीकों और पर्यावरण जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान कई अमेरिकी सांसदों और उद्योग जगत के दिग्गजों ने भारत–अमेरिका आर्थिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में आरटीएक्स कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एवं सीईओ क्रिस्टोफर कैलियो, भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील भारती मित्तल और फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के चेयरमैन प्रेम वत्सा को सम्मानित किया गया।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# क्या इंजीनियरिंग टैलेंट में चीन को टक्कर दे रहा भारत? अमेरिकी अधिकारी बोले- भारत का कोई मुकाबला ही नहीं

वॉशिंगटन , एजेंसी। भारत की तकनीकी ताकत को लेकर अमेरिका ने बड़ा बयान दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग में आर्थिक विकास, ऊर्जा और पर्यावरण मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने कहा है कि इंजीनियरिंग कार्यबल और तकनीकी प्रतिभा के मामले में भारत दुनिया का इकलौता देश है, जो चीन को चुनौती देने की क्षमता रखता है। उन्होंने भारत को वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का ष्अपरिहार्य साझेदारष बताते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई), डीप–टेक और डेवलपर इकोसिस्टम के क्षेत्र में भारत और अमेरिका मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब दुनिया में एआई और उन्नत तकनीक को लेकर प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है।

वाशिंगटन में आयोजित नौवें यूएस–इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) लीडरशिप समिट 2026 में बोलते हुए जैकब हेलबर्ग ने कहा कि भारत के पास विशाल इंजीनियरिंग कार्यबल, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और उभरता हुआ तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र है। उन्होंने कहा कि भारत सॉफ्टवेयर, एप्लिकेशन विकास और नई तकनीकों को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यही वजह है कि अमेरिका भारत के साथ साझा डेवलपर इकोसिस्टम विकसित करना चाहता है।

क्या इंजीनियरिंग प्रतिभा के मामले में भारत चीन को चुनौती दे सकता है? जैकब हेलबर्ग ने कहा कि इंजीनियरिंग प्रतिभा की गहराई और तकनीकी कार्यबल के आकार के मामले में भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जो चीन के समकक्ष खड़ा दिखाई देता है। उनके अनुसार भारत में तकनीकी प्रतिभाओं की बड़ी संख्या मौजूद है, जो आने वाले समय में वैश्विक तकनीकी विकास को नई दिशा दे सकती है। उन्होंने कहा कि भारत का तकनीकी इकोसिस्टम अभी तेजी से विकसित हो रहा है और वह एप्लिकेशन स्तर पर उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। अमेरिका का मानना है कि नई तकनीकों के व्यापक उपयोग और प्रसार में भारत की भूमिका बेहद अहम होगी। जैकब हेलबर्ग ने हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की थी। इस बैठक में भारत में तकनीकी निवेश, डीप–टेक इंफ्रास्ट्रक्चर और साझा विकास के अवसरों पर चर्चा हुई। हेलबर्ग ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां भारत में निर्माण, निवेश और नवाचार के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका का वाणिज्य विभाग एक श्ट्रस्टेड पार्टनर प्रोग्रामश पर काम कर रहा है, जिससे तकनीकी सहयोग को और गति मिल सकती है। क्या भारत–अमेरिका तकनीकी साझेदारी अब नए दौर में पहुंच गई है? विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और अमेरिका अब एक–दूसरे को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि पूरक साझेदार के रूप में देख रहे हैं। इस साल आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट और हालिया कूटनीतिक बैठकों ने दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग की मजबूत नींव रखी है। सेमीकंडक्टर, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने की संभावना है। अमेरिका का यह बयान भी संकेत देता है कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक तकनीकी शक्ति के रूप में और मजबूत होकर उभरेगा।

## अमेरिका से निर्वासित 100+ वेनेजुएला के नागरिक भूकंप के बाद लापता, होटल मलबे में तब्दील

कराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि अमेरिका से डिपोर्ट (देश निकाला) किए गए 100 से ज्यादा वेनेजुएलाई नागरिक लापता हैं। जीवित बचे लोगों के अनुसार, जब भूकंप आया तब ये लोग एक होटल में ठहरे हुए थे। जो कि मलबे में तब्दील हो गया है। डिपोर्ट होने के कुछ घंटे बाद ही आया भूकंप मियामी से एक फ्लाइट बुधवार को काराकस पहुंची थी। इस विमान में 146 वेनेजुएलाई नागरिक सवार थे, जिनमें 19 महिलाएं और सात बच्चे शामिल थे। श्ह्यूमन राइट्स फर्स्टश की एक पहल श्आईसीई फ्लाइट मॉनिटरश ने इस उड़ान की जानकारी दी थी। इन लोगों को ला गुआइरा के श्होटल सैंचुअरी ला लानाडाश में ले जाया गया था। यह इलाका 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। मलबे से बचकर

निकले लोगों ने सुनाई आपबीती

58 साल की लिस्बेथ पोर्टिलो ने बताया कि वह करीब 20 अन्य लोगों के साथ होटल के मलबे से बाहर निकलने में सफल रहीं। उन्होंने देखा कि लोग बदहवास होकर सड़कों पर भाग रहे थे। लिस्बेथ ने बताया कि वह होटल की दूसरी मंजिल पर 16 अन्य महिलाओं के साथ एक कमरे में थीं। तभी अचानक धरती हिलने लगी और छत गिर गई। वह एक बीम के नीचे दब गई थीं, लेकिन भूकंप के अगले झटके ने मलबे को हिला दिया और वह बाहर निकल पाईं। उन्होंने कहा, श्मेरा दोबारा जन्म हुआ है, भगवान ने मुझे दूसरा मौका दिया है। एक अन्य 24 साल की जेनी रोड्रिगेज ने बताया कि वह मलबे के नीचे फंस गई थीं। उनके साथ आए एक साथी ने उनका हाथ देखा और उन्हें बाहर निकाला। जेनी ने इसे भगवान का चमत्कार बताया।

अपनों की तलाश में भटकते परिजन लिलियाना रोहास अपने 33 साल के साथी को ढूंढने की कोशिश कर रही हैं। टेक्सास के डिटेंशन सेंटर ने उन्हें सिर्फ इतना बताया कि उनके साथी को डिपोर्ट कर दिया गया है। लिलियाना ने कहा कि अब कोई भी इस बारे में जवाब नहीं दे रहा है कि वे लोग कहां और किस हाल में हैं। वेनेजुएला सरकार के अनुसार, इस भूकंप में अब तक 1,700 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अमेरिका की डिपोर्टेशन नीति

यह घटना अमेरिका में चल रहे बड़े पैमाने पर डिपोर्टेशन अभियान के बीच हुई है। मई महीने में अमेरिका ने वेनेजुएला के लिए 12 उड़ानें संचालित की थीं। फरवरी 2025 में 13 महीने के अंतराल के बाद वेनेजुएला के लिए ये उड़ानें फिर से शुरू हुई थीं। पोर्टिलो 2021 में अमेरिका गई थीं और वहां उनकी शरण की अर्जी लंबित थी, लेकिन उन्हें वापस भेज दिया गया।

वेनेजुएला सरकार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें इन लोगों के काराकस एयरपोर्ट पहुंचने की तस्वीरें दिखाई गई हैं। फिलहाल, ला गुआइरा में राहत और बचाव कार्य जारी है, लेकिन संचार व्यवस्था ठप होने के कारण अपनों की जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है।

## अंतिम चरण में भारत–अमेरिका व्यापार समझौता, सर्जियो गोर ने क्वाड बैठक पर भी दिया अपडेट

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक बड़ी और सकारात्मक घोषणा की है। उन्होंने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच होने वाला बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता अब पूरा होने के करीब है। समझौते का लगभग 98 से 99 प्रतिशत कानूनी काम खत्म हो चुका है। अब

सिर्फ 1 या 2 प्रतिशत हिस्सा ही बचा है जिस पर बातचीत चल रही है। राजदूत ने यह जानकारी वॉशिंगटन में आयोजित श्यूएस–इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरमश के शिखर सम्मेलन में दी। समझौते में देरी और सुधार यह व्यापार समझौता पिछले 18 महीनों से तैयार किया जा रहा है। बीच में सुप्रीम कोर्ट के एक हस्तक्षेप की वजह से इसके समय में थोड़ी देरी हुई थी। लेकिन पिछले हफ्ते अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ली ग्रीर ने नई दिल्ली का दो दिवसीय दौरा किया। इस दौरे ने बातचीत को फिर से पटरी पर ला दिया है। राजदूत गोर ने तुलना करते हुए कहा कि यूरोपीय देशों के साथ व्यापार समझौते में अक्सर 20 साल लग जाते हैं, लेकिन भारत के साथ यह काम बहुत कम समय में और तेजी से हुआ है। निवेश के मामले में भारत सबसे आगे राजदूत ने आर्थिक आंकड़ों पर गर्व जताते हुए बताया कि नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस साल अमेरिका में 20.5 अरब डॉलर का नया निवेश लाने में मदद की है। यह निवेश यूरोप के कई बड़े दूतावासों की तुलना में बहुत ज्यादा है। भारत अब अमेरिका को किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा सामान और सेवाएं निर्यात करता है। दोनों देशों की सरकारों ने मिलकर 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य रखा है। राष्ट्रपति ट्रंप का भारत प्रेम सर्जियो गोर ने शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई अपनी निजी मुलाकात का जिक्र भी किया। उन्होंने बताया कि ट्रंप भारत के साथ रिश्तों को लेकर बहुत गंभीर हैं। ट्रंप के मन में भारत के लिए बहुत सम्मान है और वे अपनी पिछली भारत यात्रा को बहुत याद करते हैं। राजदूत ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति ट्रंप आने वाले समय में फिर से भारत का दौरा करेंगे। भविष्य में दोनों देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।प्), रक्षा और गहरी तकनीक के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। मजबूत रक्षा और कूटनीतिक रिश्ते

राजदूत ने उन लोगों को भी करारा जवाब दिया जो सोशल मीडिया पर भारत–अमेरिका रिश्तों में खटास की बातें करते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी अन्य वैश्विक साझेदार की तुलना में भारत के साथ सबसे ज्यादा सैन्य अभ्यास करता है। व्यापार, रक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंध बहुत मजबूत जमीन पर टिके हैं। दोनों देश अब बचे हुए कानूनी मुद्दों को सुलझाने पर ध्यान दे रहे हैं ताकि इस ऐतिहासिक समझौते को जल्द से जल्द लागू किया जा सके। यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदे का सौदा साबित होगा। सर्जियो गोर ने क्वाड बैठक पर दिया बड़ा अपडेट

इसके साथ ही भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया की है कि लगभग दो हफ्तों में फिलीपींस में क्वाड (फनंक) समूह की एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। इस बैठक में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्री शामिल होंगे। राजदूत ने बताया कि चारों देश हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपने गठबंधन को मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह बैठक एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के इतर आयोजित की जाएगी। सहयोग के नए क्षेत्रों पर जोर यह बैठक मई में नई दिल्ली में हुई सफल चर्चा के बाद हो रही है। सर्जियो गोर ने साफ किया कि फिलीपींस की यह मुलाकात अन्य नियोजित बैठकों की जगह नहीं लेगी। ऑस्ट्रेलिया में भी एक मंत्रिस्तरीय बैठक करने का लक्ष्य है। इसके अलावा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने संकेत दिया है कि इस साल के अंत में क्वाड नेताओं का शिखर सम्मेलन भी हो सकता है। क्वाड समूह समुद्री सुरक्षा, नई तकनीक और मानवीय सहायता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करता है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना है।

### परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ कतर रवाना, फिर ईरान वार्ता से क्यों कर रहा इनकार?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ईरान के साथ बातचीत के लिए कतर के दोहा रवाना हो गए हैं। विटकॉफ ऐसे समय दोहा का दौरा कर रहे हैं, जब हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच एक दूसरे पर हमले न करने की

सहमति बनी है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विटकॉफ दोहा में ईरान के साथ बातचीत करेंगे, लेकिन अभी तक ये साफ नहीं है कि इस दौरे पर विटकॉफ के साथ ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर हैं या नहीं। कतर में होने वाली बातचीत अहम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बताया कि मंगलवार को दोहा में होने वाली कूटनीतिक बातचीत बेहद अहम है। ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका अपने रुख पर कायम है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। ट्रंप ने कहा, श्कल दोहा में बैठक होगी। देखते हैं कि इसमें क्या होगा। यह बैठक अहम भी है और नहीं भी। ये साफ है कि ईरान को परमाणु हथियार छोड़ने होंगे। हम नहीं चाहते कि उनके पास परमाणु हथियार हो और वे इसके लिए तैयार भी हैं।श ट्रंप ने इस दौरान ये भी कहा कि वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें कम हुई हैं। ईरान ने बातचीत से ही किया इनकार

ट्रंप जहां दोहा में होने वाली बैठक को अहम बता रहे हैं। वहीं ईरान ने दोहा में किसी औपचारिक बातचीत से ही इनकार किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस हफ्ते किसी भी तकनीकी और राजनीतिक बातचीत से साफ इनकार किया है। हालांकि ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माल बाघेई ने ये जरूर स्वीकार किया कि एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल दोहा के दौरे पर है। उन्होंने कहा कि दोहा में सिर्फ मौजूदा समझौते के अनुच्छेद 11 को लेकर बात होगी। बाघेई ने कहा कि दोहा आ रहे अमेरिकी प्रतिनिधि का ईरानी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत का कोई कार्यक्रम नहीं है। ईरानी राष्ट्रपति की धमकी– हमला किया तो पूरी ताकत से जवाब देंगे इस बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि अगर अमेरिका, ईरान पर हमला नहीं करता है तो हम भी अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करेंगे। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान धमकियों का मजबूती से जवाब देगा। सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में पेजेशकियान ने लिखा, श्आपसी समझ एक दोतरफा प्रक्रिया है। अगर अमेरिकी पक्ष समझौते का पालन करता है तो हम भी अपनी प्रतिबद्धताओं का पूरा करेंगे।

### ट्रंप के खिलाफ कथित साजिश की जांच में शामिल होंगे 'टॉर्चर मेमो' वाले प्रोफेसर

वॉशिंगटन, एजेंसी।अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कथित साजिश की जांच में अब संवैधानिक कानून के प्रोफेसर जॉन यू भी शामिल होंगे। जॉन यू ने पुष्टि की है कि वह इस मामले की जांच कर रहे अभियोजकों की टीम को कानूनी सलाह देंगे। जांच का नेतृत्व पूर्व न्याय विभाग के अभियोजक जो डिजेनोवा कर रहे हैं।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।